राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 265 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,25 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

गोयल ने संसद में राज्यों से की अपील, रेलवे की परियोजनाओं के लिये सहयोग मांगा

नई दिल्ली। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने रेलवे की परियोजनाओं के लिये राज्यों से सहयोग की अपील करते हुए बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल, केरल जैसे राज्यों में ठीक ढंग से भूमि अधिग्रहण नहीं होने सहित अन्य कारणों से परियोजनाओं पर काम नहीं बढ़ पा रहा है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान मलूक नागर के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए गोयल ने कहा कि कुछ राज्यों में तेज गति से काम हो रहा है क्योंकि ऐसे राज्य तेजी से भूमि अधिग्रहण कर रहे हैं, परियोजना में अपने हिस्से का पैसा दे रहे हैं और जरूरी वन एवं पर्यावरण मंजूरी का काम पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य परियोजनाओं में कम रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन राज्यों में जनता को यह बताना पड़ेगा कि परियोजनाएं रूकी हुई है क्योंकि ऐसा लगता है कि इन राज्यों में जनता का दबाव आयेगा तभी काम बढ़ेगा। रेल मंत्री ने कहा कि मिसाल के तौर पर पश्चिम बंगाल में एक परियोजना 1974 से अब तक पूरी नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि45 वर्ष हो गए लेकिन अब तक लागू नहीं हो पाया।

परमबीर सिंह की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीमकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच को लेकर मुंबई पुलिस के पूर्व आयुक्त परमबीर सिंह की याचिका की सुनवाई से बुधवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी की खंडपीठ ने पूर्व पुलिस आयुक्त को बॉम्बे उच्च न्यायालय जाने की सलाह दी। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने सवाल खड़े किये कि आखिर याचिकाकर्ता ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत याचिका दायर करने के बजाय अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में याचिका दायर करने का फैसला क्यों किया। न्यायालय ने यह भी पूछा कि आखिरकार उन्होंने गृह मंत्री को इसमें पक्षकार क्यों नहीं बनाया? श्री सिंह की ओर से पेश हो रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने न्यायालय के समक्ष कहा कि वह याचिका में श्री देशमुख को पक्षकार बनाने को तैयार हैं। न्यायालय ने हालांकि याचिकाकर्ता को पहले उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी।

बिहार में महिला विधायकों से दुर्व्यवहार का मुद्दा नहीं उठ सका रास में

नई दिल्ली। राज्य सभा में आज राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने बिहार विधान सभा में महिला विधायकों के साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला उठाने का प्रयास किया जिसकी अनुमति नहीं मिली। वित्त विधेयक पर चर्चा से पहले श्री झा ने महिला विधायकों के साथ दुर्व्यवहार का मामला उठाने का प्रयास किया लेकिन सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसकी अनुमति नहीं दी। श्री नायडू ने कहा कि यह राज्य का मामला है, इसलिए इसे सदन में नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने कहा कि पहले भी सदस्यों ने महाराष्ट्र से जुड़े एक मामले को उठाने का प्रयास किया था जिसकी अनुमति उन्होंने नहीं दी थी। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि किसी राज्य में यदि अन्याय होता है तो सभापति उस पर चर्चा की अनुमति दे सकते हैं। इसके बाद वित्त विधेयक पर चर्चा शुरू हो गयी।

56 प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा वैधानिक दर्जा

नई दिल्ली। अस्पतालों में डॉक्टरों के अलावा चिकित्सा प्रदान करने में 56 प्रकार की सहायक सेवाओं से जुड़े लोगों को वैधानिक दर्जा देने वाला एक विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने प्रश्नकाल के बाद सदन में राष्ट्रीय सहायक एवं स्वास्थ्य रक्षा पेशेवर आयोग विधेयक 2021 पेश करते हुए कहा कि देश में आजादी के बाद से अस्पतालों में काम करने वाले सहायक स्वास्थ्य कर्मियों को वैधानिक दर्जा नहीं दिया गया। लैब टेक्नीशियन, रेडियोलॉजिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट, डायटीशियन, एक्सरे टैक्नीशियन, सीटी स्कैन एवं एमआरआई टैक्नीशियन आदि स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पीएम मोदी ने किया ममता बनर्जी से सवाल, बंगाल के गरीबों का चावल किसने लूटा

कोलकाता । विधान सभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कांथी में चुनावी सभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि अब बंगाल के हर घर से एक ही आवाज आ रही है कि 2 मई को दीदी (ममता बनर्जी) जाएंगी.

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आजादी के 75 साल के उत्सव में पश्चिम बंगाल का विशेष महत्व है. आजादी की लड़ाई में दिए गए हर योगदान को भावी पीढ़ी तक पहुंचाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है. इसलिए पश्चिम बंगाल बीजेपी के संकल्पों का भी अहम केंद्र है.

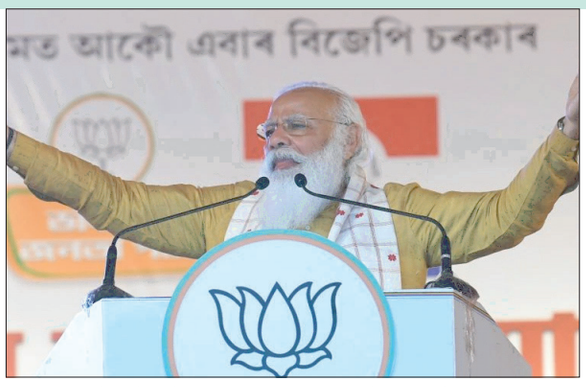

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, बंगाल के कोने से कोने से अब एक ही आवाज आ रही है, बंगाल के हर घर से एक ही आवाज आ रही है, बंगाल के हर मुख से एक ही आवाज आ रही है कि 2 मई दीदी जाछे और आसोल परिवर्तन आछे. उन्होंने कहा, 2 मई को बंगाल के विकास के बीच आ रही दीवारें टूट जाएंगी. यहां भाजपा की सरकार बनेगी और किसानों के हक के 3 साल के पैसे भी उनके खातों में मैं जमा करके रहूंगा. पिछले तीन साल के जो पैसे दीदी ने नहीं दिए, वो मैं किसानों को दूंगा. पीएम मोदी ने कहा, बंगाल में 25 साल की उम्र के आसपास के मतदाताओं और युवाओं के लिए यह पहली बार बहुत महत्वपूर्ण समय है. उनके पास बंगाल के भविष्य का निर्माण करने की जिम्मेदारी है और इस प्रकार, आसोल पोरीबोर्टन समय की आवश्यकता है.

पीएम मोदी ने कहा, दीदी आजकल मेदिनीपुर में आकर बार-बार बहाने बना रही हैं. दीदी उन बहनों, उन परिवारों को जवाब नहीं दे पाई, जिनको पहले अम्फान ने तबाह किया और फिर तृणमूल के टोलाबाजों ने लूट लिया. यहां केंद्र सरकार ने जो राहत भेजी थी, वो भाइपो (भतीजा) विंडो में फंस गई. उन्होंने आगे कहा, दीदी, आज पश्चिम बंगाल पूछ रहा है, कि अम्फान की राहत किसने लूटी? गरीब का चावल का किसने लूटा? अम्फान के सताए लोग, आज भी टूटी हुई छत के नीचे जीने को मजबूर क्यों हैं.

पीएम मोदी ने कहा, जब जरूरत होती है तो तब दीदी दिखती नहीं, जब चुनाव आता है तो कहती हैं- सरकार दुआरे-दुआरे! यही इनका खेला है. पश्चिम बंगाल, यहां का बच्चा-बच्चा, ये खेला समझ गया है. उन्होंने आगे कहा, बंगाल का विकास, यहां के लोगों का विकास, भाजपा का संकल्प है. बंगाल के उज्ज्वल भविष्य के लिए हम जी-जान से जुट जाएंगे, ये वादा करने मैं आया हूं.

पीएम मोदी ने कहा, बंगाल का किसान भूल नहीं सकता कि कैसे दीदी ने निर्ममता दिखाई है. दीदी ने आपको पीएम किसान सम्मान निधि से वंचित रखा. ये पैसे भ्रष्ट सरकार को किसानों तक नहीं पहुंचने देना था. ये पैसे दिल्ली से भारत सरकार किसानों के खाते में जमा करना चाहती थी, लेकिन दीदी किसानों से दुश्मनी लेकर बैठ गई. किसानों के खाते में भारत सरकार के पैसे नहीं जाने दिए.

पीएम मोदी ने कहा, तृणमूल सरकार ने बंगाल को सिर्फ अंधकार दिया है. भाजपा की डबल इंजन की सरकार बंगाल को सोनार बांग्ला देगी. उन्होंने आगे कहा, दीदी के राज में यहां हिंसा और बम धमाकों की खबरें आती हैं. पूरे-पूरे घर उड़ जाते है धमाकों से और दीदी की सरकार सिर्फ देखती रहती है. इस स्थिति को हमें मिलकर बदलना होगा. बंगाल को शांति चाहिए, स्थिरता चाहिए, बम-बंदूकों और हिंसा से मुक्ति चाहिए. असम में हृष्ठ की सरकार है. इन 5 वर्षों में वहां तेजी से विकास के काम हुए. इन 5 वर्षों में असम में शांति आई है, स्थिरता आई है. जिन्होंने अलगाववाद का रास्ता चुना था, वो मुख्यधारा में लौट आए हैं.

पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में होगी वोटिंग- बता दें कि पश्चिम बंगाल की 294 विधान सभा सीटों के लिए 8 चरणों में वोटिंग होगी. राज्य में 27 मार्च, एक अप्रैल, 6 अप्रैल, 10 अप्रैल, 17 अप्रैल, 22 अप्रैल, 26 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होंगे, जबकि चुनाव परिणाम 2 मई को आएंगे. पहले और दूसरे चरण में 30-30 सीटों, तीसरे चरण में 31 सीटों, चौथे चरण में 44 सीटों, पांचवें चरण में 45 सीटों, छठे चरण में 43 सीटों, सातवें चरण में 36 सीटों और आठवें चरण में 35 सीटों पर मतदान करवाया जाएगा.

विकल्प देख रही जनता

कांग्रेस का मतलब 'कंफ्यूज पार्टी'-अमित शाह

त्रिप्पुनिथुरा। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने बुधवार को केरल के त्रिप्पुनिथुरा में रोड शो के दौरान कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कंफ्यूज पार्टी है। यहां कम्युनिस्ट के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं और बंगाल में कम्युनिस्ट के साथ लड़ रहे हैं। शाह ने आगे कहा कि वो बहुत कंफ्यूज हैं। उनका नेतृत्व भी कंफ्यूज और पार्टी भी कंफ्यूज है। गृह मंत्री ने आगे कहा कि केरल की जनता एलडीएफ और यूडीएफ से परेशान है, यहां की जनता भाजपा को एक विकल्प के रूप में देख रही है और मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि हम बहुत अच्छी बढ़त के साथ इस बार केरल चुनाव में प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि केरल एक जमाने में विकास और पर्यटन के मॉडल के रूप में, सबसे शिक्षित और शांतिप्रिय राज्य के रूप में जाना जाता था। मगर एलडीएफ, यूडीएफ की सरकारों ने केरल को भ्रष्टाचार का अड्डा बनाने का काम किया है।

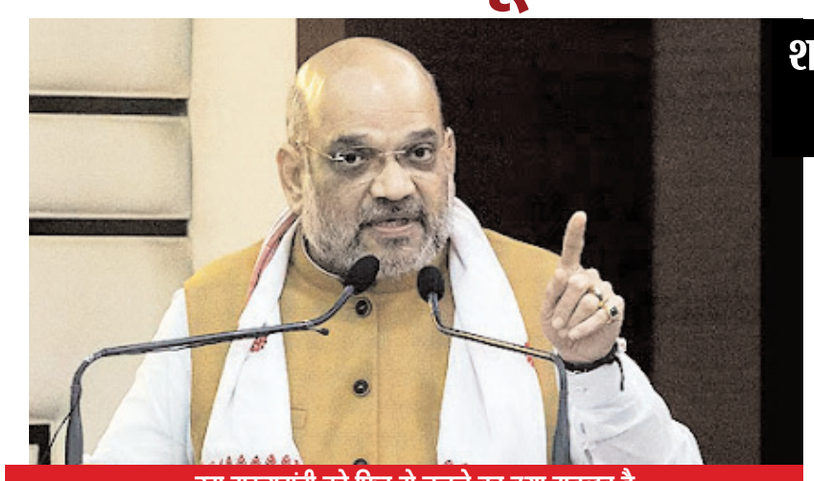

...उस मुख्यमंत्री को फिर से चुनने का क्या मतलब है

अमित शाह ने कहा कि केरल की जनता को मैं यह कहता हूं कि जिस राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय, उनके प्रधान सचिव, प्रधान सचिव द्वारा प्रमोट की गई महिला, तस्करी में शामिल हो, उस मुख्यमंत्री को फिर से चुनने का क्या मतलब है? केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कुछ पत्रकारों ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री करते हैं कि ईडी भेदभाव के साथ जांच कर रही है। क्या गोल्ड स्कैम का मुख्य आरोपी आपके कार्यालय में काम करता था या नहीं? क्या आपकी सरकार ने मुख्य आरोपी को 3 लाख रुपये का मासिक वेतन दिया था या नहीं?

शाह ने एलडीएफ सरकार पर लगाया आरोप

उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार ने पूरे प्रशासन को अपनी कैडर में बदलने का काम किया है। अपनी पार्टी के कैडर को सरकारी पद दिलाने के लिए, पब्लिक सर्विस कमीशन को रिमोट कंट्रोल से ये लेफ्ट पार्टियां चलाती हैं। शाह ने कहा कि अमृत योजना के तहत 1100 करोड़ रुपये की लागत से शहरों को अपग्रेड करने का काम चल रहा है। नेशनल हाईवे के लिए 65,000 करोड़ रुपये केरल के लिए देने का काम नरेंद्र मोदी जी ने किया है। कोच्चि मेट्रो के विकास के लिए 1957 करोड़ रुपये केंद्र सरकार ने भेजे हैं।

किसानों को फिर दिल्ली में घुसना होगा और बैरिकेड तोड़ने होंगे- राकेश टिकैत

नई दिल्ली। राकेश टिकैत ने एक बार फिर से किसान आंदोलन को लेकर बड़ी बात कह दी है। टिकैत ने बुधवार को ट्वीटर के जरिए कहा है कि किसानों को फिर दिल्ली में घुसना होगा और बैरिकेड तोड़ने होंगे। दिल्ली के विभिन्न बॉर्डरों पर किसान बीते चार महीनों से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं। देशभर से दिल्ली में डेरा जमाने वाले किसानों की मांग है कि केंद्र द्वारा लाए गए तीनों कृषि संबंधी कानूनों को रद्द किया जाए। वहीं, केंद्र संशोधन की बात पर अड़ी हुई है। हालांकि, जनवरी महीने में ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए कानूनों पर आंतरिम रोक लगा दिया था। किसान आंदोलन में अब तक 250 से अधिक किसानों की मौत हो चुकी है। किसान संगठनों ने 26 मार्च को भारत बंद का भी ऐलान किया है। कई राज्यों में किसान धरना पर बैठे हुए हैं। किसानों का आरोप है कि इन कानूनों के लागू होने से कॉर्पोरेट सेक्टर को फायदा होगा और उनकी जमीन इनके हाथों में चली जाएगी। किसान एमएसपी पर कानून की भी मांग कर रहे हैं। इसको लेकर बीते दिन मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किसानों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि केंद्र को इस बारे में सोचना चाहिए। इसका हल निकालना होगा। किसानों द्वारा किए जा रहे आत्महत्या के मामले पर मलिक ने मोदी सरकार को घेरते हुए कहा था कि जब एक जानवर की मौत हो जाती है तो नेता शोक व्यक्त करने के लिए आ जाते हैं। किसानों ने इससे पहले 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर ट्रैक्टर परेड का आवाह्न किया था। इस दौरान दिल्ली घुसने के साथ ही हिंसा और पुलिस के साथ भारी झड़पें हुई थी

भाजपा और कुछ अधिकारियों में 'सांठगांठ', राष्ट्रपति शासन लगाने की हो रही साजिश-शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र में मचे सियासी भूचाल के बीच शिवसेना ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बड़ा आरोप लगाया। शिवसेना ने कहा कि भाजपा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति शासन लागू करवाकर महाराष्ट्र में अस्थिरता पैदा करना है। पार्टी ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार को कमजोर करने के लिए भाजपा और कुछ अधिकारियों के बीच सांठगांठ का आरोप भी लगाया। इसके अलावा, शिवसेना ने फोन टैपिंग प्रकरण और डीजी रैंक के अधिकारी संजय पांडे द्वारा निराशा जाहिर किए जाने का भी जिक्र किया। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने

मंगलवार को दावा किया था कि तत्कालीन खुफिया आयुक्त रश्मि शुक्ला द्वारा इजाजत लेकर फोन रिकॉर्ड किए गए थे और कॉल पर की गई बातचीत का '6.3 जीबी डेटा' उनके पास है, जिसमें कई अहम पुलिस अधिकारियों के नामों पर चर्चा की गई थी। उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री से भी मुलाकात की और महाराष्ट्र में पुलिसकर्मियों के तबादलों में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कराने की मांग की।

मोदी ने मंच पर कार्यकर्ता के पांव छुए ,ममता के अहंकार को मुद्दा बनाया..

'दीदी किसी की नहीं सुनतीं'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कांथी में चुनाव प्रचार करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अहंकार को मुद्दा बनाया। ममता पर सीधा हमला करते हुए मोदी ने कहा कि दीदी किसी की नहीं सुनतीं, सुन नहीं सकतीं, लेकिन देख तो लें। अपने इस भाषण से पहले मंच पर मोदी ने एक कार्यकर्ता के पांव भी छुए। मोदी ने कहा कि ममता बनर्जी की जिद की वजह से बंगाल के किसान PM किसान सम्मान निधि के फायदे से वंचित रह गए। मोदी ने बंगाल में BJP की सरकार बनने के बाद सभी किसानों को पिछले 3 साल

की किसान सम्मान निधि एक साथ देने का वादा किया। पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग 27 मार्च को होनी है। इस दिन यहां 30 सीटों के लिए मतदान होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर क्रांति के समय मेदिनीपुर अग्रणी रहा है। देश आजादी के 75 साल पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आजादी में दिए गए हर योगदान को भावी पीढ़ी तक पहुंचाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। आज जो युवा 25 साल की उम्र के हैं और इस चुनाव में फर्स्ट टाइम वोटर हैं, उनके लिए भी यह समय बहुत अहम है। मोदी ने कहा कि शोनार बांग्ला का शंखनाद होता हुआ यहां हर कोई सुन रहा है। बंगाल के कोने-कोने से एक ही आवाज आ रही है। बंगाल के हर घर से एक ही आवाज आ रही है। बंगाल के हर मुख से एक ही आवाज आ रही है। दो मोई आछे, दीदी जाछे। दीदी जॉछे, ऑशोल परिवर्तन आछे।

अनामिका को मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली।

साहित्य अकादमी ने 20 भाषाओं में अपने वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कार की घोषणा की। हिंदी की जानी-मानी कवयित्री अनामिका को साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रख्यात कवयित्री, लेखिका और आलोचक अनामिका को उनके कविता संग्रह 'टोकरी में दिगन्त' के लिए पुरस्कार मिला है। हिंदी में कविता संग्रह के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार पाने वाली ये देश की पहली महिला साहित्यकार हैं। ये दिनकर और अरुण कमल के बाद बिहार की तीसरी साहित्यकार हैं जिन्हें हिंदी के लिए साहित्य अकादमी मिला है। हिंदी कविता में योगदान के लिए अनामिका को राजभाषा परिषद् पुरस्कार, साहित्य सम्मान, भारत भूषण अग्रवाल व केदार सम्मान मिल चुके हैं।

पिता से मिली लेखन की प्रेरणा

अनामिका ने बताया कि बचपन से ही लिखने की आदत थी जो पिताजी से विरासत में मिली है। उनके पिता स्वर्गीय डॉ. श्यामनंदन किशोर राष्ट्रकवि दिनकर की पीढ़ी के गीतकार होने के साथ-साथ रचनाकार भी थे। वे बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति भी रहे। उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा गया था। मां आशा किशोर हिंदी की प्राध्यापिका व विभागाध्यक्ष भी रहीं। अनामिका का बचपन मुजफ्फरपुर में ही बीता। पिताजी की अपनी लाइब्रेरी थी, सो पढ़ने-लिखने का खूब अवसर मिला। वे बताती हैं कि घर में साहित्यिक माहौल था, सो बचपन से लिखने की प्रेरणा मिलती रही। लाइब्रेरी में अंग्रेजी साहित्य की भी कई पुस्तकें थीं। पिताजी अक्सर बताते थे कि हिंदी और अंग्रेजी कोई भी भाषा हो सभी सेतु का काम करती हैं। वहीं दूसरी ओर हिंदी मातृभाषा होने के नाते हिंदी में छोटी-छोटी कविताएं भी लिखा करती थी। इसके बाद रेणु, दिनकर, नागार्जुन, कालीदास, शेक्सपियर आदि बड़े रचनाकारों को पढ़ने के बाद लिखने की प्रेरणा मिलती रही।

लिखने से ज्यादा पढ़ने पर ज्यादा जोर

युवा पीढ़ी के लेखकों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें सफलता की ऊंची उड़ान लगाने के लिए अभी लिखने से ज्यादा पुराने लेखकों को पढ़ने पर जोर देना चाहिए। उनका कहना है कि अच्छा साहित्यकार हमेशा ज्ञान का भूखा होता है। मरते दम तक उसमें कुछ सीखने की ललक बनी रहती है। साहित्य में सबसे बड़ी बात लिखने से ज्यादा पढ़ने की है। साहित्य लेखन में जब भी कोई जानकारी लेनी होती है तो मैं लेखकों से संवाद करती हूं।

बिहार के मुजफ्फरपुर की हैं अनामिका

प्रख्यात कवयित्री, लेखिका और आलोचक अनामिका को उनके कविता संग्रह टोकरी में दिगन्त के लिए पुरस्कार मिला है। वह मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर की हैं। वे दिल्ली यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। उनका कविता संग्रह टोकरी में दिगन्त 2014 में प्रकाशित हुआ था।

इंटरनेट मीडिया बेहतर

अनामिका बताती हैं कि नए लेखकों के लिए इंटरनेट मीडिया सबसे बेहतर माध्यम है। हर व्यक्ति के मन में कुछ न कुछ चलता रहता है। अभिव्यक्ति के लिए लेखकों के पास इंटरनेट मीडिया बेहतर विकल्प है।

जेरुसलम में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतनयाहू संसदीय चुनावों में मतदान करते हुए।

ब्रिटेन को 50 लाख डोज भेजेगा भारत

लंदन, (एजेंसी)। अमेरिका की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इफेक्सिस डिजिज के मुताबिक डेटा सेफ्टी मॉनिटरिंग बोर्ड ने एस्ट्राजेनेका के डेटा को लेकर चिंता जताई है। बोर्ड को शक है कि एस्ट्राजेनेका ने ट्रायल के दौरान पुराने डेटा का इस्तेमाल किया। लिहाजा ये वैक्सीन कितनी प्रभावी है ये सही-सही बता पाना फिलहाल मुश्किल है। अमेरिका में इस वैक्सीन के इस्तेमाल को लेकर आखिरी फैसला एक एडवाइजरी कमेटी करेगी। बता दें कि एक दिन पहले ही एस्ट्राजेनेका ने अमेरिका में हुए वैक्सीन के ट्रायल के नतीजों का ऐलान किया है। इसके तहत कहा गया है कि उनकी ये वैक्सीन 79त्न प्रभावी है। पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ब्रिटेन को जल्द ही 50 लाख डोज और भेजेगी। कंपनी के अधिकारी प्रकाश कुमार सिंह ने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव से मिलकर इसकी अनुमति मांगी है।

उनका देश शांति कायम करने से जुड़ी प्रक्रिया में नई दिल्ली की बड़ी भूमिका चाहता : अफगानी विदेश मंत्री

काबुल, (एजेंसी)। भारत दौरे पर दिल्ली पहुंचे अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ आतमर ने कहा कि भारत अफगानिस्तान में शांति कायम करने से जुड़ी क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहमति निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा है, उनका देश उसमें नई दिल्ली के लिए बड़ी भूमिका चाहता है। उन्होंने कहा कि तालिबान के प्रति अपना रुख तय करना पूरी तरह भारत पर निर्भर करता है। उनका कहना था कि भारत की परिपक्व नीतियों में इस शर्त पर उस संगठन के साथ किसी भी प्रकार के संपर्क पर जोर हो सकता है कि इससे शांति प्रक्रिया का उद्देश्य पूरा होगा। अफगानिस्तान में शांति के लिए अशरफ गनी सरकार और तालिबान के बीच चल रही बातचीत के बीच विदेश मंत्री हनीफ भारत दौरे पर आए हैं। अतमार तीन-दिवसीय भारत दौरे पर 22 मार्च को दिल्ली पहुंचे जहां विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से पहले ही अफगान शांति प्रक्रिया समेत अहम मुद्दों पर चर्चा कर चुके हैं। आतमर ने कहा कि तुर्की में होने वाली आगामी अफगान शांति वार्ता में स्थायी एवं समावेशी संघर्षविराम पर जोर होगा तथा अफगान लोगों के लिए स्वीकार्य दृष्टिकोण के अनुकूल राजनीतिक बंदोबस्त पर बल देकर सुनिश्चित किया जाएगा कि इस बंदोबस्त के प्रति क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गारंटी हो।

उन्होंने कहा, ऐसे लोग हैं जिन्होंने न केवल अफगानिस्तान बल्कि भारत को भी धमकी दी है। शांति प्रक्रिया में वैध साझेदार के रूप में, हम भारत की बड़ी भूमिका चाह रहे हैं। अफगानिस्तान में स्थायी शांति काफी हद तक राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहमति पर निर्भर करेगी, भारत उस क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहमति निर्माण का हिस्सा है। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में सुधार के संकेत के बारे में उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान तनाव कम करने और संघर्ष का समाधान करने के किसी भी राजनीतिक कदम का पूरी तरह स्वागत करता है। तालिबान के प्रति भारत के रुख के बारे में पूछने पर आतमर ने कहा कि यह मुद्दाभारतीय नेताओं के साथ वार्ता के दौरान नहीं उठा।

अफगानी विदेश मंत्री ने कहा कि जयशंकर ने उन्हें इस बात की पुष्टि की कि वह 30 मार्च को दुशांबे में होने वाली हार्ट ऑफ एशिया इस्तांबुल प्रक्रिया की आगामी बैठक में हिस्सा लेने वाले है। हार्ट ऑफ एशिया इस्तांबुल प्रक्रिया अफगानिस्तान में शांति लाने के लिए दस साल पहले शुरू की गई पहल है। अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों के विरूद्ध हिंसा पर आतमर ने कहा कि यह उनपर अत्याचार नहीं बल्कि देश में आमलोगों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा है। चाबहार बंदरगाह के सिलसिले में उन्होंने कहा कि यह अफगानिस्तान ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा बदलाव होगा।

अफगान सरकार और स्थानीय शक्तिशाली सरदार के बीच तनाव बढ़ा

काबुल। अफगानिस्तान सरकार और एक स्थानीय शक्तिशाली सरदार (वारलॉर्ड्स) के बीच तनाव बढ़ रहा है और एक ग्रामीण प्रांत में सरदार के लड़ाकों और सैन्य कर्मियों के बीच घातक झड़पें हो रही हैं। मध्य मैदान वरदक प्रांत में सरकार ने अभियान शुरू किया है और सेरदार अब्दुल गनी अलीपुर को दंडित करने का संकल्प लिया है। इससे पहले रक्षा मंत्री ने अलीपुर के लड़ाकों पर पिछले हफ्ते एक सैन्य हैलीकॉप्टर को मार गिराने का आरोप लगाया था जिसमें नौ कर्मियों की मौत हुई थी।इस साल जनवरी में सुरक्षा बलों ने प्रांत के बेहसूद जिले में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी कर दी थी जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हुई थी जिनमें अलीपुर के कई समर्थक शामिल थे। जातीय हजारा समुदाय में अलीपुर के प्रति व्यापक वफादारी है। यह मुख्यतः शिया समुदाय है जो देश में तो अल्पसंख्यक है लेकिन मैदान वरदक में अधिकतर आबादी इसी समुदाय की है। अलीपुर उन कई सरदारों में से एक है जिन्हें भारी हथियारों से लैस मिलिशिया समर्थन करते हैं जिनके पास पूरे अफगानिस्तान में स्थानीय शक्तियां होती हैं। कई हजारा सुन्नी आतंकवादियों के हमले और सरकार के भेदभावपूर्ण रवैया का सामना करते हैं और अलीपुर उनके लिए नायक है जो उन्हें तालिबान से बचाता है। मोहम्मद जान ने बताया कि सरकार अक्षम है, इसलिए लोग अलीपुर पर निर्भर हैं और उसका समर्थन करते हैं। बेहसूद में 29 जनवरी को की गई गोलीबारी में मरने वालों में जान का भाई भी शामिल था। उन्होंने कहा कि अलीपुर अपने लोगों की सेवा करता है।

शांति के लिए बीते कल को नहीं, आने वाले कल की ओर देखें सभी पक्ष : डेबोरा ल्योंस

जेनेवा, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत डेबोरा ल्योंस ने आगाह किया है कि देश में हमले बंद नहीं हुए तो, शांति वार्ता सफल नहीं हो पाएगी। उन्होंने ऐसे समझौते की मांग की जो देश के युवाओं को प्रतिबिंबित करे और महिलाओं को आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के उच्च पदों तक पहुंचने का मौका दें।

देश की आधी आबादी उन युवाओं की है, जिनका जन्म 2001 में तालिबान की हार के बाद हुआ है। डेबोरा ल्योंस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि ये अफगानिस्तानी लोग अब बहुमत में है और सरकार तथा तालिबान के बीच शांति वार्ता के दौरान इनकी आवाज सुनी जानी चाहिए, क्योंकि शांति समझौता होने के बाद अफगानिस्तान के समाज में इनकी एक महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका होगी।

अमेरिका नीत गठबंधन ने 9/11 आंतकवादी हमले के प्रमुख दोषी ओसामा बिन लादेन को पनाह देने के आरोप में 2001 में तालिबान को सत्ता से बाहर कर दिया था।

अमेरिका ने कतर में फरवरी 2020 में तालिबान के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ल्योंस ने सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता की धीमी गति का हवाला दिया और देश में जारी अति हिंसा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दशकों के संघर्ष ने दोनों पक्षों में विश्वास की कमी पैदा की है और हमें पता था कि इससे शांति पर असर पड़ेगा।

ल्योंस ने कहा उनके पास एक अच्छी खबर है कि दोनों पक्षों से दोहा और फिर अफगानिस्तान में बात करने के बाद मेरे अनुभव से मुझे लगता है कि शांति संभव है। उन्होंने कहा अफगानिस्तान केवल शांति के लिए तैयार नहीं है बल्कि इसकी मांग कर रहा है। सभी पक्षों को हिंसा बंद करनी चाहिए।

ल्योंस ने कहा कि एक बेहद खराब खबर है कि पिछले साल सितम्बर में शांति वार्ता शुरू होने के बाद से जनवरी और फरवरी तक नागरिकों के हताहत होने के मामले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि शांति प्रक्रिया की सफलता के लिए सभी पक्षों को अफगानिस्तान के बीते कल को नहीं बल्कि आने वाले कल की ओर देखना चाहिए।

कोरोना वायरस लॉकडाउन के एक साल होने पर लंदन आईलिट एलो कार्यक्रम में प्रधानमंत्री बोरिस जोनसन ने कहा कि संक्रमण को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किये जाएंगे।

चाबहार पोर्ट पर लगाने के लिए भारत ने क्रेन और कुछ अन्य उपकरण ईरान भेजे, चीन-पाक की उड़ी नींद

तेहरान, (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान की चाल को नाकाम करने के लिए भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को विकसित करने का काम तेज कर दिया है। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण धीमी गति से चल रहे इस प्रोजक्ट के स्पीड पकड़ने से पाकिस्तान और चीन दोनों की चिंता बढ़ गई है। भारत ने बंदरगाह पर स्थापित की जाने वाली क्रेन सहित कुछ दूसरे उपकरणों की दूसरी खेप ईरान भेजी है।

भारत इससे पहले जनवरी में दो मोबाइल हार्बर क्रेन को यहां पहले ही लगा चुका है। बाकी बची दो क्रेनों की आपूर्ति इस साल जून तक कर दी जाएगी। पोर्ट पर खड़े जहाजों पर सामान लादने और उतारने के लिए मोबाइल हॉर्बर क्रेन का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी मदद से बड़े-बड़े कंटेनरों को बहुत ही कम समय में किसी विशालकाय ट्रांसपोर्ट शिप के ऊपर लादा या उतारा जा सकता है। इस क्रेन की मदद से पोर्ट पर पहुंचे सामन को ट्रेन या ट्रक के जरिए जमीनी रास्तों से दूसरी जगह भेजा जा सकता है। भारत ने 23 मई, 2016 को ईरान के साथ 8.5 करोड़ डॉलर के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

इस डील के पहले चरण में बंदरगाह पर उपकरण लगाने मशीनीकरण और परिचालन शुरू करने का समझौता किया गया था। दूसरे चरण में यहां से माल की सप्लाई का काम शुरू किया जाएगा। भारत ने इसके लिए बाकायदा पोत परिवहन मंत्रालय के अंतर्गत एक अलग कंपनी बनाई थी, जिसे इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड का नाम दिया गया है।

चाबहार पोर्ट के कारण भारत अपना माल अफगानिस्तान और ईरान को सीधे भेज पा रहा है।

भारत रूस, तजकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजकिस्तान और उजेबकिस्तान के साथ भी अपने व्यापारिक संबंध बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। मध्य एशिया के अधिकतर देश चारों तरफ जमीन से घिरे हुए हैं। इसलिए भारत चाबहार के जरिए इन देशों में कम लागत में अपने माल को पहुंचा सकता है। इस पोर्ट के कारण रूस से हथियारों की खरीद के कारण भारत को जो व्यापार घाटा होता है, उसकी भी भरपाई हो सकती है। चीन और पाक द्वारा संयुक्त रूप से विकसित हो रहे ग्वादर बंदरगाह के काट के रूप में भी ईरान के चाबहार को देखा जा रहा है। यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है कि अमेरिका ने इस बंदरगाह को ईरान पर लगे प्रतिबंधों से मुक्त कर रखा है। भारत ने अफगानिस्तान से ईरान के चाबहार तक सड़क मार्ग का निर्माण भी कराया है। जिससे अफगानिस्तान को समुद्र तक आसानी से पहुंच मिला है।

बाइडेन ने सर्जन जनरल के रूप में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक विवेक मूर्ति की नियुक्ति की

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सर्जन जनरल के रूप में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक विवेक मूर्ति की नियुक्ति को सीनेट ने मंजूरी दे दी। मूर्ति की सर्वोच्च प्राथमिकता कोरोना महामारी से निपटना होगी, जिससे देश इन दिनों बुरी तरह प्रभावित है। डॉ. मूर्ति (43) दूसरी बार अमेरिका के सर्जन जनरल के पद पर काबिज होने वाले है। 2011 में, राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उन्हें बीमारी की रोकथाम और जन स्वास्थ्य को लेकर बनाए गए सलाहकार समूह में शामिल किया था। मूर्ति ने मंगलवार को कहा, मैं सर्जन जनरल के रूप में एक बार फिर सेवा देने के लिए सीनेट की सहमति मिलने का बहुत आभारी हूं। पिछले एक साल में हमने एक राष्ट्र के रूप में बड़ी कठिनाइयों का सामना किया है, और मैं हमारे राष्ट्र के मुश्किलों से उबरने और हमारे बच्चों के लिए बेहतर भविष्य बनाने में मदद करने के वास्ते आपके साथ काम करने की आशा करता हूं। सीनेट ने मूर्ति की नियुक्ति को 43 मतों के मुकाबले 57 मतों से मंजूरी दी। ओबामा ने 2013 में डॉ. मूर्ति को सर्जन जनरल के रूप में नामित किया था। वह 37 साल की उम्र में इस पद को संभालने वाले सबसे कम उम्र के सर्जन जनरल थे। हालांकि, उन्हें ट्रम्प प्रशासन के दौरान अचानक पद छोड़ना पड़ा।

चीन और भारत के बीच अविश्वास का माहौल चरम पर : अमेरिकी एडमिरल

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के एक शीर्ष एडमिरल ने कहा है कि एक तरफ जहां अमेरिका और भारत के बीच सैन्य संबंध अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हैं, वहीं भारत और चीन के बीच अविश्वास का माहौल अपने चरम पर है। एडमिरल ने आरोप लगाया कि हिंद महासागर में चीन की धोखा देने वाली कार्रवाई और पारदर्शिता में कमी ने वहां स्थिरता एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। एडमिरल जॉन सी एक्यूलिनो ने चीन के साथ एक माह तक चले गतिरोध में अपनी उत्तरी सीमा को सुरक्षित करने के भारत के प्रयासों की भी सराहना की। एडमिरल एक्यूलिनो ने अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान में कंमाडर पद के लिए अपने नाम की पुष्टि के लिए हुई सुनवाई के दौरान संसद की सशस्त्र सेवा समिति में कहा कि भारत और चीन के बीच अविश्वास का माहौल अपने चरम पर है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई झड़प के परिणामस्वरूप द्विपक्षी संबंध बिगड़े हैं और भारत वन बेल्ट वन रोड पहल के तहत चीन की गतिविधियों को लेकर काफी शंकित है। सांसदों के लिखित प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के ग्वादर और श्रीलंका के हंबनटोटा में चीन का रुख भी भारत के लिए चिंता का विषय है और यहीं हाल हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी है।

हिंद महासागर में पीआरसी की धोखा देने वाली कार्रवाई और पारदर्शिता में कमी ने वहां स्थिरता एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। सांसद देब फिचर की ओर से भारतीय सीमाओं पर चीन की कार्रवाई और भारत-अमेरिका सहयोग के भविष्य के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में एडमिरल एक्यूलिनो ने अपनी उत्तरी सीमा की रक्षा के लिए भारत द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। एडमिरल ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच सैन्य संबंध अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हैं और अमेरिका द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय सहयोग, अभ्यास, उच्च स्तरीय संयुक्त अभियानों और शीर्ष स्तर पर सहयोग के मामलों को लगातार बढ़ा रहा है। चीन की हालिया गतिविधियों पर उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों ने उन खतरों को रेखांकित किया है जो चीन की ओर से भारत सहित सभी देशों के लिए उत्पन्न किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान में एक बम धमाके के स्थल का जायजा लेते हुए अधिकारी।

यूएन चीफ ने एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर चिंता जताई

जेनेवा, (एजेंसी)। वैश्विक निगरानी की शीर्ष संस्था संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई और कहा कि पिछले वर्ष की हजारों घटनाओं ने असहिष्णुता, रूढ़िवादिता और दुर्व्यवहार के सदियों लंबे इतिहास को कायम रखा। अटलांटा में और उसके आसपास इस महीने गोलीबारी की कुछ घटनाएं होने की पृष्ठभूमि में गुतारेस का बयान आया है। इन घटनाओं में आठ लोगों की मौत हुई, जिनमें से छह एशियाई मूल की महिलाएं थीं। महासचिव के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि गुतारेस कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान एशियाई और एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ बढ़ी हिंसा को लेकर काफी चिंतित हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया ने भयावह हमले, मौखिक और शारीरिक उत्पीड़न, स्कूलों में एक-दूसरे को परेशान करना, कार्यस्थल पर भेदभाव, मीडिया तथा सोशल मीडिया मंचों पर घृणा के लिए उकसाना और शक्तिशाली पद पर काबिज लोगों की भड़काऊ भाषा को देखा। गुतारेस ने कहा कि कुछ देश महिलाओं के प्रति द्वेष भी फैला रहे हैं, खासकर एशियाई महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, पिछले वर्ष की हजारों घटनाओं ने असहिष्णुता, रूढ़िवादिता और दुर्व्यवहार के सदियों लंबे इतिहास को कायम रखा। पीड़ितों और उनके परिवार के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए गुतारेस ने कहा कि वह उन सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं, जो नस्लवाद और अपने मानवाधिकारों पर अन्य हमलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनौती भरे समय में हम सभी को गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

सऊदी अरब ने की रिमोट वर्क वीजा और मल्टीपल एंट्री वीजा देने की घोषणा

दुबई, (एजेंसी)। खाड़ी देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने विदेशी नागरिकों के लिए रिमोट वर्क वीजा और मल्टीपल एंट्री वीजा देने की घोषणा की है। इन दोनों वीजा के संबंध में यूएई के प्रधानमंत्री व उपराष्ट्रपति और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया। शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मख्तूम ने ट्वीट करके इन वीजा की जानकारी दी।

उन्होंने लिखा मेरी अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में देश में रिमोट वर्क वीजा को मंजूरी दी गई है। इस वीजा के अंतर्गत पूरे विश्व के कामगार यूएई में रहने के पात्र हैं। वह यहां से किसी भी दूसरे देश में स्थित कंपनी के लिए काम कर सकते हैं। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में मल्टीपल एंट्री टूरिस्ट वीजा की जानकारी दी। उन्होंने लिखा हमने यूएई को वैश्विक आर्थिक राजधानी बनाने की कोशिश को मजबूती देने के लिए सभी देशों के नागरिकों के लिए मल्टीपल एंट्री टूरिस्ट वीजा को भी मंजूरी दी है।

हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात ने कफाला में भी बदलाव किया है। इस नियम के तहत पहले कामगारों को खाड़ी देशों में प्रवेश और निकासी बिना उनकी कंपनी की अनुमति के संभव नहीं होता था। वे इस नियम के अनुसार कंपनी की अनुमति लिए बिना नौकरी भी नहीं बदल सकते थे, लेकिन अब यूएई ने नया कफाला स्पॉन्सरशिप सिस्टम लागू कर दिया है। ऐसे में अब कामगारों को नौकरी बदलने व अपने देश लौटने के लिए अनुमति की जरूरत नहीं होगी। ऐसे में रिमोर्ट वर्क वीजा को अहम माना जा रहा है।

रिमोट वर्क वीजा के अंतर्गत किसी भी देश के लोग यूएई में रहने के दौरान दुनिया की किसी भी कंपनी के लिए काम कर सकेंगे। रिमोट वर्क वीजा की वैधता एक साल होगी। रहने और काम करने की शर्तों को वीजा जारी करने के समय बता दिया जाएगा। इसका मकसद सार्वजनिक और निजी सेक्टर की मदद करना है।

केजरीवाल दिल्ली को शराबियों की नगरी बनाने पर तुलेःजदयू

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। जनता दल यूनाइटेड ने दिल्ली सरकार और उसके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली को नशेड़ियो हो और शराबियों की नगरी बनाना चाहते हैं जिसका खामियाजा दिल्ली खासकर युवा पीढ़ी को भुगतना होगा। दिल्ली सरकार द्वारा शराब पीने की उम्र सीमा 25 साल से घटाकर 21 साल किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जनता दल यूनाइटेड ने कहा है यह सर्वविदित है कि शराब एक सामाजिक बुराई है और शराब के कारण घर बर्बाद होते हैं इसके बावजूद दिल्ली सरकार और इसके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जिस बेहयाई से शराब पीने की छूट कम उम्र के युवाओं को देने का निर्णय किया है उसके दुष्परिणाम पूरी दिल्ली को भुगतने होंगे। जदयू ने कहा है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी शराबबंदी के पक्षधर थे और ऐसे में जो भी सरकारी शराब की बिक्री बढ़ाने का कार्य करती हैं, वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए रास्तों की अवहेलना भी करती हैं। जनता दल यूनाइटेड ने केजरीवाल से सवाल किया कि ऐसी कौन सी मजबूरी है जिसके चलते दिल्ली सरकार युवाओं को शराबी बनाने का प्रयास कर रही है ? क्या पैसा कमाने के लिए वह किसी भी हद तक नीचे गिर जाएगी ? बिहार में पूर्ण शराब बंदी लागू करने वाली पार्टी जनता दल यूनाइटेड ने कहा है कि दिल्ली में वैसे भी सरकारी राजस्व बहुत बहुत ही अच्छा है और उसे शराब बेचकर और राजस्व जुटाने की कोई जरूरत नहीं है अगर राजस्व के मामले में पिछड़ा कोई राज्य ऐसी बात करता तो भी बात समझ में आती पर दिल्ली सरकार द्वारा उठाया गया कदम समझ से परे है। पार्टी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा की शराब से लीवर, किडनी जैसी अनेक बीमारियां होती हैं जो अंततोगत्वा लोगों को परेशान करती है उनके घर के बजट को बिगाड़ दी है महिलाओं पर अत्याचार को बढ़ावा देती है घरेलू हिंसा में इजाफा करती है, सामाजिक समरसता को बिगाड़ती है। ऐसे में दिल्ली सरकार किस मकसद से शराब को बढ़ावा दे रही है ? क्या दिल्ली सरकार जानबूझकर दिल्ली वालों को शराबी बनाकर दिल्ली का सत्यानाश करने पर तुली हुई है ? यह बहुत ही निंदनीय कार्य है।

निगम आयुक्त ने दक्षिणी जोन का किया निरीक्षण

नई दिल्ली(वेबवार्ता)। निगम आयुक्त ज्ञानेश भारती ने आज दक्षिणी जोन की उपायुक्त डॉ सोनल स्वरूप के साथ दक्षिणी जोन का निरीक्षण कर, क्षेत्र में चल रही विभिन्न परियोजनाओं व निगम सुविधाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर जोन के सभी उच्चाधिकारी उपस्थित थे। ज्ञानेश भारती ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 के मद्देनजर दक्षिणी जोन में किये जा रहे विशेष कार्यों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंनें निरीक्षण के दौरान कूड़े के उचित निष्पादन के लिए जोन में चल रही विभिन्न कंपोस्टिंग साइट का भी दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे नागरिकों को गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करने के लिए प्रेरित करे और होम कंपोस्टिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दें। भारती ने क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक शौचालयों और ढलाव घरों पर सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिये कि अतिरिक्त सफाई सैनिक लगाकर यह सुनिश्चित किया जाए कि विशेषकर सार्वजनिक शौचालयों और ढलाव घर व उसके आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई बनी रहे। भारती ने दक्षिणी जोन के प्रमुख बाजारों में जाकर सफाई व्यवस्था भी देखी और रात्रि में विशेषरूप से बाजारों में सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त उन्होंनें ग्रीन पार्क की नवनिर्मित स्वचालित कार पार्किंग का भी दौरा किया। आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कहा कि निगम ने स्वच्छ रैंकिंग में सुधार लाने के लिए कई नए और अनूठे कदम उठा रहा है। कूड़े के निष्पादन के लिए सभी जोनों में कंपोस्ट प्लांट लगाए गए। ओडीएफ प्लस प्लस प्रमाणपत्र प्राप्ति के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। लैंडफिल साइटों की ऊंचाई कम की गई, सार्वजनिक स्थानों पर नीले और हरे कूड़ेदान लगाए गए, गार्बिज कैफे, खिलोना बैंक, जूता बैंक नेकी की दीवार, प्लास्टिक लाओ थैला ले जाओ जैसे अभियानों की शुरुआत की गई, बाजारों में रात में साफ सफाई का कार्य किया जा रहा है। मार्केट एसोसिएशन और आरडब्ल्यूए के सहयोग से स्वच्छता को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है, पार्कों में सूखी पत्तियों व रसोई के गीले कचरे से कंपोस्ट तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा नए सीएंडई प्लांट और लैंडफिल साइट के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। आयुक्त ज्ञानेश भारती ने नागरिकों से अपील कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में निगम का सहयोग करे और दिल्ली को साफ रखने में अपना योगदान दें।

केजरीवाल सरकार को इसी सप्ताह देने होंगे नगर निगमों को 991 करोड़ रूपयेः हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बुधवार को पत्रकारों को सम्बोधित करते हुये कहा कि नगर निगमों के फंड जारी करने को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा आज किये गये आदेश ने भाजपा द्वारा नगर निगमों के फंड के लिये चलाये जा रहे आंदोलन को सत्यापित कर दिया है। पत्रकारवार्ता में पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर निर्मल जैन, नेता सदन प्रवेश शर्मा, उत्तरी दिल्ली नगर निगम के स्थायी समिति अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी, नेता सदन योगेश वर्मा एवं दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर उपस्थित थे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि भाजपा लगातार कहती रही है कि अपनी द्वेषपूर्ण राजनीति के चलते अरविन्द केजरीवाल सरकार ने गत 6 वर्षों से नगर निगमों के संवैधानिक फडों में न तो चैथे दिल्ली वित्त आयोग की सिफारिश अनुसार वृद्धि की है और न ही मुनिस्पिल रिफोर्म कमेटी की सिफारिशों के अनुसार वृद्धि की है। इसके अलवा हर वर्ष अरविन्द केजरीवाल सरकार बजट अनुसार तय नगर निगमों के फंड भी पूरे नहीं देती है। इसी सबके चलते नगर निगमों के लगभग 13000 करोड़ रूपये दिल्ली सरकार द्वारा देय हैं। भाजपा महामंत्री ने कहा कि नगर निगमों ने अपने फंड के लिये दिल्ली उच्च न्यायालय में विभिन्न याचिकायें दायर की हैं और उन्हीं में से एक याचिका वर्तमान वित्त वर्ष के फंड को जारी करवाने की मांग को लेकर थी। माननीय उच्च न्यायालय ने आज एक ऐतिहासिक फैसला करते हुये दिल्ली सरकार की सभी दलीलों को खारिज किया है और आदेश किया है कि आगामी एक सप्ताह में तीनों नगर निगमों को उनका वित्त वर्ष 2020-21 के तय फंड का बकाया जो 991 करोड़ रूपये बैठता है जारी करे। श्री मल्होत्रा ने कहा कि आज माननीय उच्च न्यायालय के आदेश से न सिर्फ यह सत्यापित हुआ है कि अरविन्द केजरीवाल सरकार राजनीतिक द्वेष से नगर निगमों के फंड रोके बैठी है बल्कि यह भी साफ हो गया है कि दिल्ली वालों की नागरिक सुविधाओं की समस्या हो या फिर नगर निगम कर्मचारियों की वेतन समस्या इस सबके लिये अरविन्द केजरीवाल सरकार जिम्मेदार एवं जवाबदेह है।

महापौर ने शहीदी दिवस पर देश के आजादी के परवाने शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। उत्तरी दिल्ली के महापौर, जय प्रकाश ने कल देर रात मोती नगर सुदर्शन पार्क के ए-1 से डी-48 तक के मार्ग का नाम शहीद भगत सिंह मार्ग के रूप में किया। समारोह का आयोजन शहीदी दिवस के उपलक्ष में किया गया। समारोह के अध्यक्षता क्षेत्रीय निगम पार्षद, विपिन मल्होत्रा ने की। उत्तरी दिल्ली के महापौर, जय प्रकाश ने मोती नगर क्षेत्र में शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित मार्ग के नामकरण समारोह में देश की आजादी के परवाने शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत की आजादी इन शहीदों के नाम है जिन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र होकर देश की आजादी के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जवानी की देहलीज पर सर्वोत्तम बलिदान कर देश की आजादी की राह तैयार की। उन्होंने कहा कि उनके परिवार विशेष रूप से उनकी माताओं के प्रति यह राष्ट्र कृतज्ञ है जिन्होंने ऐसे सूरमाओं को जन्म दिया जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए देश की माटी को सम्मान देते हुए अंग्रेजों से भारत को आजाद कराने में सर्वोत्तम बलिदान किया।

दिल्ली कैबिनेट का बड़ा फैसला, बिना नाम के घर-घर राशन पहुंचाएगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। केजरीवाल सरकार ने गरीब परिवारों को बिना नाम के घर-घर राशन पहुंचाने का बड़ा फैसला किया है। दिल्ली कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे पहले दिल्ली सरकार 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना के तहत पैकेट बंद राशन लोगों के घर पहुंचाने की घोषणा की थी, लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर रोक लगा दी थी। इसके बाद सीएम श्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई दिल्ली कैबिनेट ने बिना नाम के घर-घर राशन पहुंचाने का निर्णय लिया गया। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम श्रेय लेने के लिए नहीं यह नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद केवल जनता तक ईमानदारी से साफ-सुथरा राशन पहुंचाना है। अब पात्र गरीब परिवारों को गेहूं की जगह आटा, चीनी और चावल बोरी के पैकेट में पैक कर उनके घर पहुंचाया जाएगा। यह सभी गतिविधियां खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा पूरी की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना पर रोक लगाने के बाद सीएम श्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें योजना का नाम हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। अब इस योजना का कोई नाम नहीं है, लेकिन केजरीवाल सरकार पात्र परिवारों के घर-घर पैकेट बंद राशन पहुंचाएगी। सरकार का कहना है कि पैकेट बंद राशन घर-घर पहुंचाने से राशन माफियाओं को जड़ से खत्म किया जा सकेगा और वास्तविक लाभार्थियों तक राशन पहुंचा सकेगा। सीएम श्री अरविंद केरीवाल ने कहा कि अभी तक राशन की दुकनों पर लोगों को राशन लेने में तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार लोगों को राशन नहीं मिल पाता है और माफिया राज भी था। इसलिए दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक राशन कार्ड धारक को जितना गेंहू बनता है, उतना ही आटा और चावल को एक बोरी में पैक कर उनके घर-घर पहुंचाया जाएगा, ताकि वास्तविक व्यक्ति तक राशन पहुंच सके। केंद्र सरकार द्वारा योजना पर रोक लगाने से दिल्ली सरकार को धक्का लगा।

शायद केंद्र सरकार को 'मुख्यमंत्री' शब्द पर आपत्ति थी। इसलिए योजना को बिना नाम के ही शुरू करने का निर्णय लिया गया। सीएम श्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारा 20-22 साल पुराना सपना है कि हम वास्तविक लोगों के घर-घर तक राशन पहुंचा सकें।

दोबारा डीयू शिक्षकों ने मुख्यमंत्री आवास तक किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने एक तरफ जहां डीयू में हड़ताल जारी रखी, वहीं डूटा कार्यकारिणी के तय कार्यक्रम के तहत बुधवार को कुलपति कार्यालय से मुख्यमंत्री आवास तक दोबारा पैदल मार्च निकाला। डीयू शिक्षक संघ का कहना है कि जिन 12 कॉलेजों में दिल्ली सरकार 100 फीसदी अनुदान देती है उसे वह समय से निर्गत करे, ताकि शिक्षक-कर्मचारियों को वेतन के संकट से न जूझना पड़े। शिक्षक इस मांग पर भी अड़े हैं कि डीयू के दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित कॉलेजों को अनुदान मुहैया कराने से पूर्व जिन शर्तों पर अनुदान देने की बात है उन शर्तों को राज्य सरकार वापस ले। इसे पैटर्न ऑफ असिस्टेंस कहा गया है। इसके अलावा दिल्ली सरकार ने 12 कॉलेजों में जो अधिकारी नियुक्त किए हैं उसको लेकर भी शिक्षक संगठन नाराज है। डूटा का कहना है कि दिल्ली सरकार ने 16 मार्च को जो राशि जारी की है वह पूर्व के भुगतान के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए भविष्य में हर तीन माह पर दिल्ली सरकार अनुदान जारी करे। डूटा अध्यक्ष का कहना है पैटर्न ऑफ असिस्टेंस को वापस लिया जाना चाहिए यह मान्य नहीं है। शिक्षकों का अब उपराज्याल के कार्यालय जाकर भी प्रदर्शन करने की योजना है। डीयू के शिक्षक लंबे समय से 12 कॉलेजों में आ रहे गतिरोध को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं। इन 12 कॉलेजों में समय से वेतन न मिलने से कई बार यहां शिक्षकों ने भी मीडिया के समक्ष अपनी बात रखी। ज्ञात हो कि मंगलवार को डीयू के शिक्षकों ने पहले कुलपति कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी सहित अन्य अधिकारियों को मांग पत्र भी सौंपा। 27 मार्च को हड़ताल को लेकर फैसला- डीयू के शिक्षक अभी कक्षाएं नहीं ले रहे हैं।

स्वामी विवेकानंद के नाम आरजेएस का राष्ट्रीय सम्मान घोषित, विवेकानंद और शहीदों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। भारत सरकार और राज्य सरकारों द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ के श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों को रामजानकी संस्थान आरजेएस द्वारा स्वैच्छिक समर्थन देने का फैसला लिया गया। भगतसिंह राजगुरु और सुखदेव के बलिदान का दिन शहीद दिवस पर आरजेएस ऑब्जर्वर दीप माथुर की अगुवाई में हुई दिल्ली की 145 वीं आरजेएस सकारात्मक बैठक में ष्राष्ट्र प्रथमः भारत एक परिवारष् का लोकार्पण प्रख्यात कवियित्री डॉक्टर कीर्ति काले, आध्यात्मिक गुरु सुरजीत सिंह जी दीदेवार- श्रीमती परमजीत कौर और ब्रम्हाकुमारी शिल्पा बहन ने किया। इस अवसर पर दीप माथुर की धर्मपत्नी स्वर्गीय शोभा दीप माथुर की स्मृति में स्वामी विवेकानंद के नाम आरजेएस का राष्ट्रीय सम्मान 2021 भी घोषित हुआ। स्वामी विवेकानंद और शहीदों के चित्र पर सभी ने पुष्पांजलि अर्पित की और आरजेएस की तरफ से राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच का प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया। शहीद दिवस पर राम जानकी संस्थान नई दिल्ली और टीजेएपीएस केबीएसके गुंटेगेरी(धनियाखली) पश्चिम बंगाल के तत्वावधान में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि प्रख्यात कवयित्री डॉक्टर कीर्ति काले ने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि रहना चाहिए, हम रहें ना रहें, ये देश रहना चाहिए। समाज में सकारात्मक लोग एक साथ नहीं रहते और मीडिया सकारात्मक खबरें नहीं दिखाती इसलिए

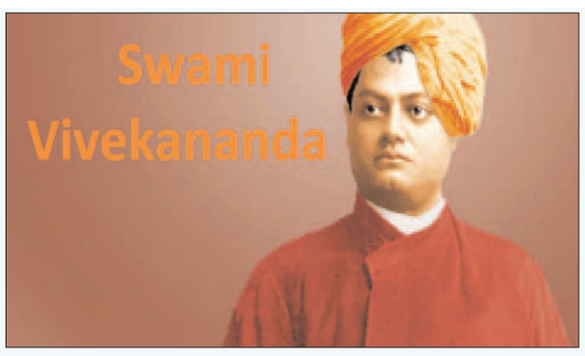

नकारात्मकता बढ़ रही है। डॉक्टर कीर्ति काले ने देशभक्ति कविता का पाठ करते हुए कहा ष्भारत के नौजवानों भारती पुकारती है, भेदभाव छोड़ कर साथ साथ आइएष् अगली कविता में उन्होंने कहा ष्भारत के वासी हम, हिंद के निवासी हम, हमें अपने वतन पर अभिमान है, धर्म -जाति - भाषा चाहे अनेक यहां, एक धरती हमारी एक आसमान हैष् मुख्य वक्ता आध्यात्मिक गुरु सुरजीत सिंह जी दीदेवार ने दीदेवार शब्द का मतलब समझाया और स्वयं के स्वामी बनने का मंत्र दिया। उन्होंने सांसो के अभ्यास सत्र और प्रश्नोत्तरी में शंकाओं का समाधान प्रस्तुत किया। शहीदों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनलोगों का मकसद किसी को मारना नहीं था।गुंगी बहरी सरकार को जगाने के लिए केवल धमाका करना उनका मकसद था। शस्त्र से कभी कल्याण नहीं हुआ, समग्र जन-कल्याण के लिए शास्त्र हैं। और समाज को शास्त्रार्थ की बेहद आवश्यकता है। अतिथि वक्ता ब्रह्मकुमारी शिल्पा बहन ने राष्ट्र प्रथमष्भारत एक परिवार को विस्तार से बताया. उन्होंने स्वामी विवेकानंद की चर्चा करते हुए कहा कि उनके गुरु स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने ज्ञान दिया कि इंसान को जिस चीज की तड़प होती है उसे वही चीज मिलती है।

दिल्ली में कोरोना के मामले बढ़ने के लिए केजरीवाल सरकार जिम्मेदारः रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी में एक बार फिर कोरोना के बेकाबू होने के लिए दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली सरकार को शराब की कमाई और केंद्र सरकार से बेवजह टकराव की चिंता तो है, लेकिन दिल्ली के लोगों को कोराना से बचाने की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करे, क्योंकि पिछले साल जून और नवंबर में भी दिल्ली में कोरोना केंद्र के कदमों से ही नियंत्रण में आ सकी थी। पिछली बार दीवाली पर हालात बिगड़े थे और अब होली पर वही स्थिति बनती जा रही है। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में मंगलवार को 1100 से ज्यादा मामले आए हैं। इससे पहले 19 दिसंबर, 2020 को

इससे ज्यादा 1139 केस आए थे। 11 नवंबर 2020 को जब दिल्ली में एक ही दिन में 8593 नए मामले आ गए थे, तो केंद्र सरकार मदद के लिए आगे आई थी। इससे पहले मई-जून में भी इसी तरह के हालात बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर गृहमंत्री श्री अमित शाह दिल्ली को बचाने के लिए आगे आए थे। इन्हीं कदमों का नतीजा था कि दिल्ली में फिर से केस कम होने शुरू हुए। मगर, दिल्ली सरकार की लगातार लापरवाही के कारण अब तीसरी बार फिर से कोरोना फैलना शुरू हो गया है। दिल्ली सरकार कोरोना गाइडलाइंस को लागू करने में ढील बरतना शुरू कर देती है और नियमों का पालन नहीं हो पाता। बिधूड़ी ने कहा कि इस सरकार को हर काम में क्रेडिट लेने की आदत है। इसीलिए जैसे ही दिल्ली में केस कम होने शुरू होते हैं, सरकार की तरफ से ऐसे बयान आने शुरू हो जाते हैं कि हमने कोरोना पर काबू पा लिया है। इससे जनता में यह संदेश जाता है कि कोरोना खत्म हो गया और जनता भी लापरवाह हो जाती है। बिधूड़ी ने लोगों से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस संदेश को न भूलें 'दवाई भी और कड़ाई भी'।

पिछली बार दीवाली पर हालात बिगड़े थे और अब होली पर वही स्थिति बनती जा रही है। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में मंगलवार को 1100 से ज्यादा मामले आए हैं। इससे पहले 19 दिसंबर, 2020 को इससे ज्यादा 1139 केस आए थे।

दक्षिणी दिल्ली में मीट की दुकान चलाने वाले युवक की गोली मार कर हत्या

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दक्षिणी दिल्ली के दक्षिणपुरी में कथित तौर पर मोटरसाइकिल सवार अज्ञात व्यक्तियों ने मीट की दुकान चलाने वाले 34 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मृतक का नाम दलीप उर्फ कुणाल है जिसे शरीर पर कई गोलियां लगीं और पोस्टमॉर्टम के बाद यह पता चल पाएगा कि उसे कितनी गोलियां मारी गई थीं। पुलिस ने कहा कि घटना मंगलवार देर रात को हुई थी और सूचना बत्रा अस्पताल से मिली थी जहां गोली लगने के बाद दलीप को इलाज के लिए ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि दलीप को अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अतुल कुमार ठाकुर ने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि मृतक दक्षिणपुरी इलाके में मीट की एक दुकान चलाता था और रात लगभग 11 बजकर 20 मिनट पर जब वह अपनी दुकान के पास खड़ा था, कुछ लोग मोटरसाइकिल पर आए और उन्होंने उस पर अवैध हथियारों से गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा कि घटना के बाद आरोपी भाग निकले और दुकान के मालिक को घायल अवस्था में एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मृतक दलीप शहर के मदनगीर का निवासी था और हत्या तथा लूटपाट समेत सात मामलों में संलिप्त रहा था।

हिरासत में मौत पर सरकार की रिपोर्ट अधूरीः अदालत

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने वाहन की कथित चोरी में गिरफ्तार किए व्यक्ति की हिरासत में मौत पर दिल्ली सरकार द्वारा दाखिल रिपोर्ट को आधा-अधूरा करार दिया। उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि गिरफ्तारी और अस्पताल में भर्ती कराने के बीच क्या हुआ। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह की पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में स्पष्ट सबूत का अभाव है। यह आधी-अधूरी रिपोर्ट है। इसमें यह भी नहीं बताया गया है कि हिरासत में हुई मौत के मामलों में क्षतिपूर्ति प्रदान करने की कोई नीति है या नहीं। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट बस इतना बताती है कि कब उसे गिरफ्तार किया गया और कब उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उस बीच में क्या हुआ, उसके बारे में इसमें कुछ नहीं कहा गया है। उसकी मौत की जो जांच की गई, उस संबंध में भी कुछ नहीं बताया गया है। पीठ ने दिल्ली सरकार से सवाल किया है कि क्या हिरासत में मौत होने पर मुआवजा देने की कोई नीति है। पीठ ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई 13 अप्रैल को वह मुआवजे के मुद्दे पर विचार करेगी। पीठ ने दिल्ली सरकार से आठ मार्च को स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। वह शख्स की पत्नी की अर्जी पर सुनवाई कर रही है। इस व्यक्ति को पुलिस ने वाहन की कथित चोरी के सिलसिले में 11 नवंबर, 2020 को गिरफ्तार किया था। उच्च न्यायालय की पीठ ने आठ मार्च के अपने आदेश में जिक्र किया था कि जब व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया तब मजिस्ट्रेट ने गौर किया था कि उसकी शारीरिक हालत इतनी अच्छी नहीं है कि वह खड़ा भी हो पाए। उच्च न्यायालय ने कहा था कि लेकिन उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। चैंकाने वाली बात है कि उसकी 12 नवंबर 2020 को मौत हो गई जब वह न्यायिक हिरासत में था।

पूर्वी निगम में शिक्षा समिति के सदस्यों ने निगमायुक्त के साथ बैठक

शिक्षा के स्तर में सुधार के संबंध में की चर्चा

नई दिल्ली (वेबवार्ता)। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री रोमेश चन्द्र गुप्ता ने समिति के सभी सदस्यों के साथ निगमायुक्त, श्री विकास आनंद के साथ बैठक कर शिक्षा के स्तर, विद्यालयों में बेहतर ढांचागत सुविधाएं, अध्यापकों की नियुक्तियां, विद्यालयों की सुरक्षा आदि विषयों के अलावा शिक्षा का बजट है उसको समय रहते ही जल्द से जल्द रिलीज करने के बारे में विस्तार से चर्चा की। शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री रोमेश चन्द्र गुप्ता ने निगमायुक्त, श्री विकास आनंद के समक्ष प्रस्ताव रखा कि बच्चों को नवम्बर से मार्च तक का सूखा राशन देने के लिए शीघ्र कार्यवाही की जाये साथ ही बच्चों को 2021-22 की पाठ्य पुस्तक देने की जल्द व्यवस्था की जाये और वर्दी के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को 1100/- शीघ्र उनके खाते में ट्रांसफर किया जाये। श्री रोमेश गुप्ता ने निगम विद्यालयों में सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की बात कही ताकि विद्यालयों में उचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। श्री रोमेश गुप्ता ने कहा कि पदोन्नति के लिए अध्यापक और सीनियर अध्यापकों को प्रधानाचार्य बनाने की फाइल उत्तरी दिल्ली नगर निगम में भेजी गई है

उसपर तुरन्त कार्यवाही होनी चाहिए। उन्होंने निगमायुक्त से मांग की कि शिक्षा विभाग के पूर्व निदेशक ले0 कर्नल श्री अशोक कुमार सिंह को पुनः निदेशक शिक्षा के पद पर नियुक्त करने की मांग की । उन्होंने कहा कि कर्नल अशोक एक मेहनती शिक्षा निदेशक थे उनको किन्ही कारणों से उनके मूल केडर में वापिस भेज दिया था लेकिन कर्नल अशोक के कार्यकाल में पू.दि.न.नि. के शिक्षा विभाग ने अभूतपूर्व उन्नति की थी इसलिए उन्हें पुनः बहाल किया जाना चाहिए। शिक्षा समिति के सदस्यों ने निगमायुक्त के संज्ञान में लाया कि प्रत्येक वार्ड के एक विद्यालय मे तीन स्मार्ट क्लास बनाने का कार्य के लिए 31 मार्च तक का समय रखा गया था, परंतु अभी यह कार्य पूरा नहीं हो पाया है अतःएक निश्चत समय अवधि में इसे पूरा किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कि प0 दीन दयाल उपाध्याय बाल विकास योजना के क्रियान्वयन हेतु शिक्षा समिति के सदस्य व उच्च अधिकारियों की समिति गठित करने और स्कूलो में फिजिकल और संगीत के पांच-पांच अध्यापकों की नियुक्ति करने की मांग की। इसके अलावा स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए गार्ड रुम, लड़कियों को आत्मरक्षा की ट्रैनिंग देने के संबंध में बात की गई।

संपादकीय

'घर लौटने के लिए होता है'

लॉकडाउन के शुरुआती दिनों में, जब सामान्य जीवन थम गया, तब सभी को यही लगा कि जिंदगी कटेगी कैसे? फिर धीरे-धीरे यह भी लगने लगा कि अब इसी के साथ रहना है। यह अच्छा है, जीवन में हर बार योजनाएं नहीं बनानी पड़तीं, कई चीजें अपने आप होती हैं। जीवन अपनी गति से चलता रहता है और किसी न किसी किनारे लगता है। लॉकडाउन के गाढ़े समय में मैंने बहुत से लोगों को बागवानी करते देखा, जो पहले पौधों पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते थे। कलाकार-लेखक मित्रों से बात हुई, तो कुछ ने यहां तक कहा कि हमें कोई फर्क नहीं पड़ा। चित्रकारों ने कहा कि हम तो अपने स्टूडियो में रहते थे, किसी ने परेशान नहीं किया। पढ़ने-लिखने वाले बहुत से लोगों ने लॉकडाउन काल का अच्छा सदुपयोग कर लिया। खुद मेरे साथ यह हुआ कि मैंने धीरे-धीरे कलर पेंसिल से कुछ चित्र बनाने शुरू किए, तो इस उम्र में भी कला का एक नया सिलसिला आगे बढ़ा। कला व लेखन क्षेत्र में बहुत सी अच्छी चीजें हुई हैं, परस्पर आदान-प्रदान भी पहले की तुलना में बढ़ा है। किताबों और संवादों के ऑनलाइन विस्तार-प्रसार ने भी हमें बहुत संभाला है। हां, थियेटर, सिनेमा की दुनिया को ज्यादा चोट लगी है। ये ऐसी कलाएं हैं, जो समूह में संभव होती हैं। लेखकों कलाकारों का काम तो इसलिए भी चल गया कि वह स्वयं लिखने-बनाने वाले हैं, लेकिन फिल्म कलाकार, संगीतकार क्या करते? इन्हें हुए नुकसान की भरपाई में बहुत वक्त लगेगा। लॉकडाउन के सन्नाटे में मुझे खुद भय तो नहीं लगा, लेकिन थोड़ी-बहुत चिंता जरूर हुई, दुकानें वगैरह जब बंद हो गई थीं, कहां से जरूरी सामान आएगा? कौन लाएगा? लेकिन यह ऐसा समय था, जब भले पड़ोसियों से भी खूब मदद मिली। हम जैसे अनेक स्वतंत्र लेखकों को यह भी चिंता हुई कि लॉकडाउन बहुत लंबा चला, तो खर्च कैसे चलेगा? देश में करोड़ों लोगों के मन में यह चिंता रही है। ऐसी चिंताओं ने ही लोगों को भविष्य के बारे में अलग ढंग से सोचने के लिए विवश किया। लॉकडाउन काल की एक बड़ी उपलब्धि यह रही है कि बहुत से लोगों ने घर का महत्व समझा। हमने देखा, हम सबके लिए घर एक नई तरह से प्रगट हो रहा है। उस दृश्य ने खासतौर पर विचलित किया, जब हमने देखा कि लाखों लोग पैदल घर लौट रहे हैं। घर का एक नया ही अर्थ खुला, जिसे हम भूल से गए थे। अज्ञेय जी की पंक्ति याद आई-घर लौटने के लिए होता है। कितनी सुंदर बात उन्होंने कही थी। घर एक ठिकाना है। आप सात समुंदर पार चले जाते हैं, लेकिन अपना ठिकाना नहीं भूलते, आप हर बार वहीं लौटते हैं। हरिवंश राय बच्चन की कविता भी बार-बार याद आई- दिन जल्दी-जल्दी ढलता है / बच्चे प्रत्याशा में होंगे,/ नीड़ों से झांक रहे होंगे / यह ध्यान परों में चिड़ियों के/ भरता कितनी चंचलता है! / दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! रोज कमाने-खाने वालों की पीड़ा तो हम अब शायद ही भूल पाएंगे। बड़ी चिंता हुई कि सरकार कैसे इतने लोगों को संभालेगी? काम-धंधे गंवाने वालों का क्या होगा? लेकिन जीवन के बारे में यह बहुत सुंदर पक्ष है कि आप बहुत देर तक हंस नहीं सकते, तो बहुत देर तक रो भी नहीं सकते। बहुत देर तक आप भय में नहीं रह सकते। बहुत देर तक आप निश्चिंत नहीं रह सकते। यही जीवन संतुलन सदियों से चला आ रहा है। इस दौर के जो अनुभव हैं, सबके लिए वरदान जैसे हैं। जीवन में कोई न कोई गति मिलती है अच्छी हो या खराब। गति को जब आप पहचानते हैं, तो जीवन से सीखते हैं। लॉकडाउन में लोगों ने छोटी-छोटी चीजों पर गौर करना शुरू किया। जैसे मैं कबूतरों के लिए रोज पानी रखता था, कभी-कभी उनकी तस्वीरें भी खींचता था और दूसरों को भेजा करता था। छोटी-छोटी खुशियां थीं, आज एक कली आ गई, आज एक पत्ती निकली। जितनी भी जगह थी, उसमें मैंने बागवानी शुरू की। पौधों पर नए सिरे से ध्यान देना शुरू किया। उसी दौरान एक माली को फोन किया, तो वह बहुत खुश हुआ कि किसी ने तो उसका हाल पूछा। काम तो उसका भी ठप था, लोग उसे बुलाने से बचने लगे थे। अपनों से दूर रहने और कुछ लोगों से हमेशा के लिए बिछड़ जाने का दुख भी बहुत चुभा। कोरोना से ठीक होने के बाद मेरी बहन भी दुनिया से चली गई। ऐसी रुलाने वाली घटनाएं न जाने कितने परिवार में हुई होंगी। वह मेरी सगी बहन थी, हमने इतना समय साथ बिताया था, लेकिन उसके अंतिम संस्कार में मैं कहां शामिल हो पाया। फोन पर सूचना मिल गई कि चार लोग आ गए हैं और संस्कार कर रहे हैं। ऐसी यादें आपके मन में छप जाती हैं, जो आपको अक्सर याद आएंगी और दुखी करेंगी। वह ऐसा दौर था, हम किससे शिकायत करते, सभी परेशानी में थे। ये जो सुख-दुख के पलड़े हैं, ये ऐसे ही उतरते-चढ़ते रहते हैं, यह जरूरी है कि हम खुद को हर स्थिति के लिए तैयार रखें। भयभीत न हों।

गांधी की आत्मकथा का इन दिनों अनुवाद कर रहा हूं। उनसे जुड़ा एक प्रसंग आपसे जरूर साझा करना चाहूंगा। गांधीजी फैसला करते हैं कि वह गोखले से मिलने जाएंगे। वह दक्षिण अफ्रीका से लंदन आते हैं। लंदन आते ही उन्हें पता चलता है कि गोखले तो पेरिस में फंस गए हैं, विश्व युद्ध शुरू हो चुका है, पर गांधीजी लिखते हैं कि उन दिनों लंदन देखने लायक था। लोगों में युद्ध का भय नहीं था, लोग सेना में जाने की तैयारियां कर रहे थे। संकट के जो दिन होते हैं, मनुष्य को बहुत कुछ सिखाते भी हैं। हमें अपनी गति से चलते रहना है। हजारी प्रसाद द्विवेदी की कविता मेरे लिए जीवन का मंत्र है- कोई रोते रहे/ कोई खोते रहे/ अपना रथ पर हम जोते रहे। इसका मतलब यह नहीं कि हम यह न देखें कि लोगों के साथ क्या हो रहा है, परिवार में क्या हो रहा है? पर हां, मुझे अपना रथ नहीं रुकने देना है। लॉकडाउन के दौर की अच्छाइयों को कभी भूलना नहीं चाहिए। बड़ी संख्या में सेवाभावी लोगों ने जरूरतमंदों की मदद की, भूखे लोगों को भोजन देने में, लाचार लोगों को घर पहुंचाने के लिए अनेक लोग बहुत साहस और प्रेम के साथ सामने आए हैं। गांधीजी ने सिखाया था कि भेद मत करो, अपने और दूसरे में। अपने-पराये में हम अक्सर बहुत भेद करते हैं। लॉकडाउन के दौरान यह भेद कुछ दूर हुआ है, उसे अभी और दूर करना है।

प्रवीण कुमार सिंह

क्वाड ने चीन की दबंगई पर लगाया विराम, शिथिल पड़े क्वाड संगठन में आई नई जान

आने वाले समय में यह समूह वैश्विक भू-राजनीति को दिशा देने वाला सिद्ध हो सकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन से भयाक्रांत देशों को इससे बहुत बड़ा सहारा और चीन के मुकाबले एक उचित विकल्प मिलेगा। इसकी महत्ता और प्रासंगिकता इसी से समझी जा सकती है कि आसियान देशों के अलावा ब्रिटेन और फ्रांस जैसे राष्ट्र भी इसका दायरा बढ़ाकर उसमें शामिल होने की उत्सुकता दिखा रहे हैं, जिसके लिए क्वाड प्लस जैसा नाम भी सोच लिया गया है। यह लगभग तय है कि आने वाले समय में क्वाड का विस्तार होगा और वह और अधिक सशक्त रूप में उभरेगा। यही इसके उज्ज्वल भविष्य को दर्शाने के लिए पर्याप्त है।

बीते एक हजार साल से दुनिया में उतना बदलाव नहीं आया, जितना बीते दस वर्षों में हुआ है। इसी तरह विगत एक वर्ष में दुनिया बदलाव के उससे भी बड़े दौर से गुजरी है, जितना पिछले दस वर्षों के दौरान हुआ। क्वाड भी ऐसे परिवर्तनों का एक अहम पड़ाव और परिणाम है। यह चार देशों का एक ऐसा उभरता हुआ समूह है, जो विस्तारवादी, बिगड़ैल और अड़ियल चीन को चुनौती देने का माद्दा रखता है। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की चौकड़ी से बने इस समूह के राष्ट्राध्यक्षों ने गत शुक्रवार को अपने विचार साझा किए। मौजूदा दौर में यह घटनाक्रम अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे शीत युद्ध की समाप्ति के बाद सबसे उल्लेखनीय वैश्विक पहल कहा जा रहा है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि हिंद प्रशांत क्षेत्र समकालीन भू-राजनीति का केंद्र बिंदु है। लंबे समय तक इस क्षेत्र को अनदेखा ही किया गया। कुछ समय पूर्व ही इसे मान्यता मिलनी शुरू हुई है, लेकिन अभी भी उसके लिए एक संस्थागत ढांचे का अभाव है। इसकी पूर्ति करने में क्वाड पूरी तरह सक्षम है। अब यह एक औपचारिक मंच के रूप में आकार लेता दिख रहा है। इसे मिल रही महत्ता का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद जो बाइडन ने अपनी पहली बहुपक्षीय वार्ता के लिए क्वाड जैसे संगठन को चुना, जो अभी तक अनौपचारिक स्वरूप में ही है। बाइडन का यह दांव उन लोगों के लिए किसी झटके से कम नहीं, जो यह अनुमान लगा रहे थे कि ट्रंप प्रशासन के बाद बाइडन हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक अलग राह चुन सकते हैं। बाइडन ने क्वाड के सहयोगियों के साथ एक स्वतंत्र एवं

मुक्त हिंद प्रशांत क्षेत्र की प्रतिबद्धता व्यक्त कर अपने पत्ते खोल दिए हैं।

क्वाड का विचार नया नहीं है। वर्ष 2007 में जापान ने इसकी पहल की थी, लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इसे लेकर हिचक रहे थे। उनकी हिचक की मुख्य वजह यह थी कि कहीं चीन इससे कुपित न हो जाए, लेकिन बीते एक वर्ष के घटनाक्रम ने इन दोनों देशों की बीजिंग को लेकर सोच बदल दी। केवल भारत और ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, अपितु अमेरिका की भी हाल के दौर में व्यापार, ताइवान और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे कई मसलों पर चीन के साथ तनातनी बढ़ी है। वहीं कोरोना काल में अपनी हेठी दिखाने के साथ-साथ चीन ने ऑस्ट्रेलिया पर व्यापारिक और भारत पर सामरिक शिकंजा कसने का प्रयास किया। जापान के साथ तो उसके शाश्वत विवाद और सामुद्रिक सीमा के मुद्दे फंसे ही हुए हैं।

इस प्रकार विगत एक वर्ष के घटनाक्रम ने क्वाड के उभार में निर्णायक भूमिका निभाई, क्योंकि इससे जुड़े देशों को यह आभास हुआ कि चीन को उसकी भाषा में जवाब देना आवश्यक हो गया है। इस तरह कोरोना काल में नया आकार लेता वैश्विक ढांचा क्वाड की नियति में नाटकीय बदलाव का निमित्त बना। इन चारों देशों के साथ आने से अब बीजिंग के तेवर भी बदले हुए हैं। उसे समझ आ गया है कि जब दुनिया की बड़ी शक्तियां लामबंद होंगी तो उसके क्या निहितार्थ हो सकते हैं? यही कारण है कि कुछ समय पहले तक क्वाड को लेकर आंखें तरेरने वाला चीन अब सहयोग और मित्रता की भाषा बोल रहा है।

चीन की ऐसी चिकनी-चुपड़ी बातें हाथी के दांत खाने के और-दिखाने के और वाली कहावत को चरितार्थ करने जैसी हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि बीते कुछ दशकों से दुनिया चीन की दबंगई देख चुकी है और विगत एक वर्ष में चीन का पूरा चरित्र दुनिया के सामने उजागर हो चुका है। उसके बढ़ते दबदबे और दुस्साहस पर विराम लगाने के लिए क्वाड वही विचार है, जिसके साकार रूप लेने का समय अब आ गया है। अच्छी बात यह है कि इससे जुड़े अंशभागी भी यह भलीभांति समझ रहे हैं। उनके बीच बढ़ता सहयोग इसका सूचक है।

गत वर्ष मालाबार साझा युद्ध अभ्यास में अमेरिका और जापान के साथ ऑस्ट्रेलिया की सक्रिय भागीदारी इस संगठन के लिए शुभ संकेत और वैश्विक भू-राजनीति में एक नई धमक के रूप में देखी गई। इन देशों की साझेदारी भी बहुत स्वाभाविक है, क्योंकि ये सभी मूल रूप से लोकतांत्रिक और उदार व्यवस्था वाले देश हैं, जिनकी तमाम अहम मुद्दों पर सोच एक दूसरे से मेल खाती है। जैसे ये सभी एकमत हैं कि धरती पर मौजूद उन दुर्लभ संसाधनों के संरक्षण के लिए कोई कारगर पहल करनी ही होगी, जिनका चीन बेहिसाब दोहन करने में लगा हुआ है। जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को भी ये बखूबी समझते हैं। वैश्विक आपूर्ति शृंखला को चीन से स्थानांतरित करने की दिशा में भी ये प्रयासरत हैं। इसका सबसे सुखद प्रमाण यह देखने को मिल रहा है कि अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया कोरोना वैक्सीन के उत्पादन में भारत की क्षमताओं को और बढ़ाने के पक्षधर हैं। ऐसे परस्पर सहयोग को देखते हुए क्वाड में किसी किस्म की खटपट जैसी आशंका नहीं रह जाती।

शिथिल पड़े क्वाड संगठन में एकाएक नई जान आना जितना चौंकाने वाला है, उतना ही भारत को लेकर इसका रवैया भी। एक समय जो भारत क्वाड के मंच पर इन्फ्रा फाइनेंसिंग और सांस्कृतिक विनिमय जैसे सॉफ्ट मसलों तक ही सीमित रहता था, वही अब इसकी केंद्रीय भूमिका में आता प्रतीत होता है। यानी जिसे क्वाड की कमजोर कड़ी माना जा रहा था, वही उसकी ताकत बनता दिख रहा है। अतीत में भारत के रवैये को ढुलमुल माना जाता था, लेकिन चीन के साथ सीमा पर तल्खी के दौरान अपने सख्त तेवरों के अलावा कई अन्य कदमों से उसने दुनिया का भरोसा जीता है। आने वाले समय में यह समूह वैश्विक भू-राजनीति को दिशा देने वाला सिद्ध हो सकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन से भयाक्रांत देशों को इससे बहुत बड़ा सहारा और चीन के मुकाबले एक उचित विकल्प मिलेगा। इसकी महत्ता और प्रासंगिकता इसी से समझी जा सकती है कि आसियान देशों के अलावा ब्रिटेन और फ्रांस जैसे राष्ट्र भी इसका दायरा बढ़ाकर उसमें शामिल होने की उत्सुकता दिखा रहे हैं, जिसके लिए क्वाड प्लस जैसा नाम भी सोच लिया गया है। यह लगभग तय है कि आने वाले समय में क्वाड का विस्तार होगा और वह और अधिक सशक्त रूप में उभरेगा। यही इसके उज्ज्वल भविष्य को दर्शाने के लिए पर्याप्त है।

नेता-पुलिस गठजोड़

उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया के पास विस्फोटक पाए जाने का मामला अब किसी एक या कुछ खास अफसरों-नेताओं की गड़बड़ी तक सीमित नहीं रह गया है। फिलहाल गृहमंत्री अनिल देशमुख के इस्तीफे को लेकर पक्ष-विपक्ष में तलवारें तनी हुई हैं, लेकिन उनकी अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से अलग हटकर देखें तो इस मामले से कई ऐसे गहरे सवाल उभर कर सामने आए हैं जिनका जवाब तलाशना बहुत जरूरी है। इसका यह मतलब हरगिज नहीं है कि संबंधित अफसरों-नेताओं की जिम्मेदारी के सवाल को आगे के लिए टरका दिया जाए।

सौ करोड़ रुपये प्रति माह वसूली की बात सनसनीखेज जरूर है, लेकिन लॉकडाउन की बंदी में इसे अविश्वसनीय मानने वालों को किनारे कर दें तो भी पुलिस द्वारा व्यापारियों से पैसा वसूलने को लेकर इतनी सारी बातें पहले से कही जाती रही हैं कि यह आरोप ज्यादा चौंकाता नहीं है। असल सवाल यह है कि इसे रोकने का कहीं भी कोई सुव्यवस्थित प्रयास क्यों नहीं दिखता। हाल ही में 'पूर्व' हुए मुंबई पुलिस कमिश्नर परमवीर सिंह से भी यह सवाल बनता है कि पद से हटाए जाने के बाद जो बातें उन्होंने कही हैं, पद पर रहते हुए ऐसा कोई संकेत भी क्यों नहीं दिया? उनके कमिश्नर रहते कोई उनके अधीनस्थ अधिकारियों को अवैध वसूली के काम में लगा रहा है, यह सूचना उन्हें उस समय जरा भी उद्वेलित क्यों नहीं कर पाई?

जिस निलंबित एपीआई सचिन वाजे के इर्द गिर्द पूरा विवाद खड़ा हुआ है, उसका निलंबन रद्द करके उसे दोबारा पुलिस सेवा में लाने और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के अपने फैसले के लिए वे किसको जिम्मेदार ठहराएंगे? राजनीतिक दलों को भी समझना होगा कि अस्पतालों के बिलों और रसीदों के जरिये किसी नेता का बचाव करने की एक सीमा होती है। यह पूरा प्रकरण इतना गंभीर है कि इस पर लीपापोती की कोई भी कोशिश घातक होगी। राज्य सरकार को हर हाल में यह सुनिश्चित करना होगा कि इस मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच न केवल हो, बल्कि होती हुई सबको दिखे भी।

बेहतर होगा कि सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दलों का शीर्ष नेतृत्व अविलंब ऐसी विश्वसनीय जांच की स्थिति बनाने के लिए काम शुरू करे। एक सवाल सरकारों के उस रवैये का भी है जिसकी वजह से ऐसे हालात बनते हैं। क्या वजह है कि न केवल महाराष्ट्र विकास आघाड़ी की मौजूदा सरकार बल्कि इससे पहले की बीजेपी सरकार ने भी पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाने की कोई कोशिश नहीं की?

इस मामले को तो यथाशीघ्र उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाना ही चाहिए, पुलिस बल को ज्यादा प्रफेशनल, ज्यादा जिम्मेदार बनाने की जरूरत को भी अब और नहीं टाला जाना चाहिए। राज्यों और महानगरों के पुलिस प्रमुख भक्तिभाव देखकर नहीं, श्रेष्ठतम प्रफेशनल योग्यता के आधार पर ही चुने जाने चाहिए। अफसोस कि देश को इस जरूरत का अहसास उस मुंबई पुलिस की बदहाली देखकर हो रहा है, जिसे भारत का सबसे सक्षम पुलिस बल माना जाता रहा है।

राम मंदिर निर्माण से होगा अयोध्या का आर्थिक विकास, बदल जाएगी भगवान श्रीराम की नगरी की तस्वीर

मार्च 2017 में जब उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपावली मनाने का एलान किया। सरयू घाट सहित पूरी अयोध्या को जगमगा दिया गया। भारत के आराध्य श्रीराम की अयोध्या जगमगाई तो हर भक्त प्रसन्न हो गया, लेकिन उस समय भी एक वर्ग ऐसा था, जिसने सवाल पूछना शुरू कर दिया कि क्या अयोध्या में भव्य दीपावली मनाने से उत्तर प्रदेश की गरीबी कम हो जाएगी। क्या अयोध्या में दीपावली मनाने से लगातार पिछड़ते जा रहे उत्तर प्रदेश का आर्थिक विकास इस तरह से हो पाएगा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही देश के विकसित राज्यों की पांत में भी आगे खड़ा हो सके।

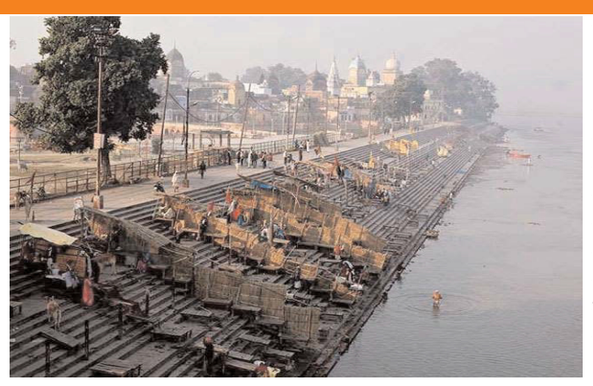

भले ही यह प्रश्न उसी वर्ग की ओर से पूछे जा रहे थे, जिन लोगों ने बार-बार यह प्रश्न पूछा कि देश के आराध्य श्रीराम के जन्मस्थल पर ही मंदिर बनने से क्या हो जाएगा, लेकिन यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, इसलिए इसका उत्तर देश को अवश्य मिलना चाहिए। नींव भराई का काम शुरू होते ही इन महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर मिलना भी शुरू हो गया है। दरअसल मार्च 2017 में जब उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी थी तो उस समय तक अयोध्या विवादों से मुक्त नहीं हो पाया था और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के लगभग स्पष्ट निर्णय के बावजूद सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला लंबित था और विवादित होने की वजह से श्रीराममललाविराजमान लगभग कारागार जैसी स्थिति में भक्तों को दर्शन दे रहे थे और श्रीरामलला के दर्शन करने के लिए कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था पार करके, श्रपित सी अयोध्या में भक्तों को जाना पड़ता था। इस स्थिति की वजह से हनुमानगढ़ी में लंबी कतार लगी रहती थी और श्रीराममललाविराजमान के दरवाजे के बाहर से ही भक्त शीश नवाकर चले जाते थे। अयोध्या के सरयू घाट पर आरती भी नहीं होती थी और आरती के लिए सरयू घाट आरती समिति को प्रतिदिन आरती सामग्री का प्रबंध करना कठिन होता था। जिला प्रशासन ने 1,500 रुपये प्रतिदिन सरयू आरती के लिए प्रविधान कर दिया था।

भगवान श्रीराम के जन्मस्थान, तीन हजार से ज्यादा हिंदू मंदिरों और सरयू घाट वाले अयोध्या की वस्तुस्थिति यही थी। लेकिन पांच अगस्त 2020 को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां भूमि पूजन किया, तो उसके बाद से वहां लगभग सभी चीजों में व्यापक परिवर्तन होता नजर आने लगा है।

जिस अयोध्या में एक बस अड्डा तक नहीं था, वहां दो शानदार बस अड्डे तैयार हो चुके हैं। अयोध्या तीन ओर से राजमार्ग से जुड़ चुका है। केंद्र की मोदी सरकार अयोध्या को देश के महत्वपूर्ण स्थानों से रेलवे और हवाई मार्ग से जोड़ने की योजना को मूर्त रूप दे रही है। श्रीराम मंदिर के आकार का रेलवे स्टेशन तैयार हो रहा है। अयोध्या में 285 एकड़ में भव्य श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनेगा। इसके लिए 640 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने अयोध्या में कर्नाटक के लोगों के लिए यात्री निवास बनाने का निर्णय लिया है और इसके लिए इस बार के राज्य के बजट में 10 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। लगभग हर राज्य सरकार अयोध्या जाने वाले अपने राज्य के श्रद्धालुओं के लिए भवन बनाना चाहती है। देश-दुनिया के साधु-संत अयोध्या में अपना स्थान चाह रहे हैं। वर्ष 2023-24 में जब भव्य श्रीराम मंदिर बन जाएगा तो प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या आने की उम्मीद है। वीरान रहने वाली अयोध्या भूमि पूजन के कुछ माह के भीतर ही चमकने लगी है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनते चमत्कारिक विकास की कहानी भी तेजी से तैयार होती दिख रही है, लेकिन इस आर्थिक विकास की कहानी के मूल में कोई आर्थिक योजना नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने सड़क किनारे सभी धार्मिक स्थलों को हटाने का दिया सख्त आदेश

हमारे देश में सड़कों के किनारे और रेलवे स्टेशन परिसर में धार्मिक स्थलों का निर्माण नई समस्या नहीं है। इन जगहों पर दशकों से ऐसा होता आ रहा है, लेकिन सरकार और प्रशासन के लचर रवैया अपनाने और स्थानीय लोगों के समर्थन के कारण इससे निपटना आसान नहीं है। वोटबैंक की राजनीति से जुड़े इस मामले पर जिस भी राज्य में अंकुश लगा है, अधिकांश में पहल अदालतों की ओर से ही की गई है। ऐसे में इस तरह के मामलों से जुड़े सभी पहलुओं पर समग्रता से विचार करना होगा और नियम-कानून बनाना होगा, ताकि भविष्य में इस तरह के निर्माण कार्य को समय रहते रोका जा सके।

उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक स्थलों को हथियाने का खेल धर्म की आड़ में धार्मिक स्थलों का निर्माण कर कई वर्षों से चल रहा है। कई सरकारें आईं और चली गईं, पर किसी सरकार ने अपनी तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की। यहां तक कि कोर्ट के आदेश के बावजूद मामला लटका रहा। अब इस मामले में उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। अब धर्म की आड़ में अतिक्रमण और अतिक्रमण के सहारे बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जा करने का खेल नहीं चलेगा। खासकर मुख्य मार्गों पर सड़क के किनारे और कहीं-कहीं तो सड़क के बीचों-बीच में कब्जा करके मंदिर, मस्जिद, मजार, दरगाह आदि बनाकर जो धंधा चल रहा है, उस पर लगाम लगेगी। ऐसे लोगों पर लगाम लगे, यह समय की भी मांग है।

अदालतें भी समय-समय पर धर्म के नाम पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आदेश पारित करती हैं, लेकिन कुछ अपवादों को छोड़कर वोट बैंक की सियासत के चलते इस समस्या का बड़े पैमाने पर समाधान नहीं हो पाया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने सार्वजनिक स्थलों और सड़क किनारे अतिक्रमण कर बनाए गए सभी धार्मिक स्थलों को हटाने का सख्त आदेश दिया है। अब यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इस समस्या का समाधान हो जाएगा, क्योंकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सख्त फैसलों को जमीनी स्तर पर पूरा करने के लिए जाने जाते हैं। कोर्ट तो पहले ही कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए तमाम सरकारों को इसलिए फटकार लगा चुका है कि वे सड़क

अतिक्रमण कर निर्मित धार्मिक स्थल को हटवाने की इच्छाशक्ति नहीं रखती हैं।

अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने अधिकारियों को हाईकोर्ट के आदेश पर अमल करने को कहा है। गृह विभाग ने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को आदेश जारी कर दिया है। इसके साथ ही, यह भी आदेश दिए गए हैं कि तय समय में शासन को अवगत कराया जाए कि कितने अतिक्रमण कर बने धार्मिक स्थलों को हटाया गया है। भले ही योगी सरकार ने यह निर्देश हाईकोर्ट के आदेशों के क्रम में जारी किया हो, लेकिन इसको लेकर सरकार की नीयत पर किसी को संदेह नहीं है। परंतु हकीकत यह भी है कि अतिक्रमण करके बनाए गए धार्मिक स्थलों को हटाए जाने के योगी सरकार के आदेश के बीच अभी भी कुछ लोग धर्म की आड़ में अतिक्रमण या मरम्मत के नाम पर नए निर्माण कार्य करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस ओर न तो जिला प्रशासन का ध्यान जाता है, न पुलिस या फिर नगर निगम अथवा विकास प्राधिकरणों की इस पर नजर पड़ती है।

इस आदेश में कहा गया है कि यदि कहीं इस तरह का कोई निर्माण एक जनवरी 2011 या उसके बाद कराया गया है तो उसे तत्काल हटाया जाए। शासन ने जिलाधिकारियों से इसे लेकर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट तत्काल अपर मुख्य सचिव गृह को सौंपने का निर्देश दिया है, जबकि विस्तृत रिपोर्ट दो माह में मुख्य सचिव को सौंपी जाएगी।

दरअसल पिछले कई वर्षों से यही देखा जा रहा है कि प्रदेश सरकारें अपनी सरकारी जमीन या फिर सड़क पर अवैध तरीके से बनाए गए धार्मिक स्थलों पर किसी तरह की कानूनी कार्रवाई करने से बचती रही हैं। इस तरह जमीन कब्जा करने वाले सत्तासीन पार्टी का दामन थाम लेते हैं। लेकिन योगी सरकार का रवैया इस मामले में सख्त नजर आ रहा है। बीते कुछ वर्षों में जनता में भी जागरूकता आई है। अब जनता परिपक्व दिखती है। कोई धार्मिक स्थल जिससे आम जनता को परेशानी होती है, उसे हटाने का पहले की तरह अंध-विरोध नहीं होता। प्रदेश में ही प्रयागराज, गोरखपुर, मुजफ्फरनगर सहित कई शहरों में सड़कों से ऐसे धर्मस्थल हटाए गए हैं। मुजफ्फरनगर में फरवरी 2018 में पुल निर्माण के लिए मस्जिद हटाई गई। इसके कारण पिछले एक दशक से फ्लाईओवर का निर्माण रुका था। प्रयागराज में सड़क किनारे बने लगभग एक दर्जन धार्मिक स्थलों को हटाया गया। कुछ जगह लोग खुद भी इसके लिए आगे आए।

हाईकोर्ट से आदेश के बाद उत्तर प्रदेश में अवैध धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई की कवायद शुरू हो गई है। बात लखनऊ की करें तो यहां नगर निगम ने जिला प्रशासन को धार्मिक स्थलों की सूची भेजी है। इस संबंध में ब्योरा तैयार किया जा रहा है। इसके बाद कार्रवाई शुरू की जाएगी। लखनऊ के एडीएम प्रशासन के अनुसार शहरी इलाकों में 160 अवैध निर्माण पाए गए हैं। बसपा राज में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती द्वारा वर्ष 2011 से पहले और उसके बाद अतिक्रमण कर बनाए गए धार्मिक स्थलों की रिपोर्ट मांगी गई थी, लेकिन इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। अब योगी सरकार द्वारा 2016 में बनाई गई सूची के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि 2011 के बाद कोई नया धार्मिक स्थल तो अतिक्रमण कर नहीं बनाया गया। वहीं, ऐसे धार्मिक स्थलों की पहचान करने का काम प्रशासन ने भी शुरू कर दिया है। इसके लिए लखनऊ के जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने एडीएम प्रशासन अमर पाल सिंह को नोडल अफसर बनाया है। वर्ष 2011 के बाद बने धार्मिक स्थलों को सड़क से हटाया जाना है, जबकि इससे पहले बने धार्मिक स्थलों को विस्थापित किया जाना है।

हमारे देश में सड़कों के किनारे और रेलवे स्टेशन परिसर में धार्मिक स्थलों का निर्माण नई समस्या नहीं है। इन जगहों पर दशकों से ऐसा होता आ रहा है, लेकिन सरकार और प्रशासन के लचर रवैया अपनाने और स्थानीय लोगों के समर्थन के कारण इससे निपटना आसान नहीं है। वोटबैंक की राजनीति से जुड़े इस मामले पर जिस भी राज्य में अंकुश लगा है, अधिकांश में पहल अदालतों की ओर से ही की गई है। ऐसे में इस तरह के मामलों से जुड़े सभी पहलुओं पर समग्रता से विचार करना होगा और नियम-कानून बनाना होगा, ताकि भविष्य में इस तरह के निर्माण कार्य को समय रहते रोका जा सके।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

सीधीः महुआ बीनने गई बालिका को तेंदुए ने बनाया शिकार

सीधी। संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के बस्तुआ बीट के जंगल में महुआ बीनने गई एक बालिका को तेंदुए ने अपना शिकार बना लिया है। जानकारी के अनुसार संजय टाइगर रिजर्व दुबरी रेंज वस्तुआ बीट के कम्पार्टमेंट क्रमांक आरएफ 1336 में कुशमी जनपद के पिपराही ग्राम पंचायत निवासी राखी पिता उदयभान बैगा उम्र 13 वर्ष चार सहेलियों के साथ जंगल महुआ बीनने जा रही थी वह अभी महुआ तक पहुंची भी नहीं थी कि झाडियों मे छुपा टाइगर तेंदुए हमला कर दिया। तेंदुआ के हमले से बचने के लिए बच्चे भाग खड़े हुए, लेकिन राखी को तेंदुए ने पकड़ कर जंगल में ले गया, जहां उसने शिकार बना लिया। उधर भाग कर पहुंचे अन्य बच्चों ने ग्रामीणों को जानकारी दी जब तक ग्रामींण जंगल पहुंचे तब तक तेंदुआ शिकार भाग चुका था। परिजनों को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिलाने की आश्वासन दिया है।

देवासः सेना भर्ती में यूपी के युवक फर्जी दस्तावेज के साथ धराए

देवास। स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में सेना भर्ती रैली का आयोजन चल रहा है जहां आर्मी इंटेलिजेंस को खबर लगी की यहां कुछ अभ्यर्थी फर्जी दस्तावेज लेकर उत्तरप्रदेश से पहुंचे है। जवानों द्वारा जब इनसे मूल निवासी प्रमाण-पत्र मांगे गए तो यह उपलब्ध नहीं करा सके। बताया जा रहा है कि किसी गिरोह द्वारा फर्जी दस्तावेज बनाकर इन्हें देवास भेजा गया था। औद्योगिक थाना पुलिस ने अमित शिवानंद शर्मा निवासी गाजियाबाद, योगेन्द्र नाथू सिंह निवासी बुलंदशहर,राकेश राजवीर सिंह 24 वर्ष निवासी बागपत तीनों उत्तरप्रदेश के निवासी है और मप्र के जिलों के फर्जी दस्तावेज में निवासी प्रमाण-पत्र सहित अन्य फर्जी कागज बनाकर यहां से सेना भर्ती में शामिल होने का प्रयास कर रहे थे। शिकायत के बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ धारा 420 आयपीसी के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

जबलपुरः दुकानदार बाप-बेटे ने ग्राहक को चाकुओं से गोदा, मौत

जबलपुर। शहर के गुलौआ चौक स्थित अतुल प्लाई बोर्ड के संचालक और उसके बेटे ने उसी ग्राहकी चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। मदनमहल टीआई नीरज वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि गुलौजा चौक स्थित कुंभारे जिम के नीचे अतुल प्लाई बोर्ड नाम की दुकान है। जिसका संचालन उपेन्द्र चतुर्वेदी व उनका पुत्र अनुराग द्वारा किया जाता है। बताया जा रहा है कि विष्णु विश्वकर्मा नामक ग्राहक बुधवार दोपहर 12 बजे के लगभग उनकी दुकान पहुंचा। जहां प्लाई बोर्ड की कीमत को लेकर दुकानदार और ग्राहक के बीच कहासुनी हो गई। जिसके बाद दुकान संचालक बाप-बेटे ने विष्णु के साथ मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसके सीने व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटे आई और वह खून से छटपटाटा हुआ, जमीन पर जा गिरा। जिसे पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया।

इंदौरः हाईकोर्ट ने कहा सभी पीड़ितों की रजिस्ट्री 31 तक करवाएं

इंदौर। उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में कैलाश मण्डपे की जमानत याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि कोर्ट के पिछले आदेश के परिप्रेक्ष्य में विद्या विहार टाउनशिप के पीड़ितों की 18 रजिस्ट्रियां आरोपी कैलाश मण्डपे को जेल से ले जा कर मार्च 22 और 23 को करवाई गई। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपी कैलाश को अंतरिम जमानत का आदेश दिया। कोर्ट ने आदेशित किया है कि सभी बचे प्लाट पीड़ितों की रजिस्ट्री मार्च 31 तक करवाएं। इसके अलावा कोर्ट ने कंपनी को एसआईटी के समक्ष नब्बे लाख रुपए जमा करवाने का आदेश दिया इसके साथ ही अब सभी बचे 54 प्लाट धारकों के रजिस्ट्री करवाई जाएगी।

सतनाः ट्रक से टकराया पुलिस वाहन टीआई समेत चार पुलिसकर्मी घायल

सतना। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित क्राइम मीटिंग से चित्रकूट के नयागांव थाना लौट रहा पुलिस का वाहन बीती रात करीब एक ट्रक से जा टकराया। हादसे में वाहन में सवार नयागांव थाना प्रभारी राम बिलास त्रिपाठी को जहां गंभीर रूप से चोट आई है। तो वहीं तीन अन्य पुलिस कर्मी घायल हो गए। दरअसल एसपी की क्राइम मीटिंग से वापस जाते समय थाना प्रभारी का वाहन सिविल लाइन थाना अंतर्गत बगहा मोड़ के पास सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। इस हादसे मे थाना प्रभारी की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए खुद एसपी लेकर गए रीवा हादसे की खबर जैसे ही सतना पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह यादव को लगी वे मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घायल थाना प्रभारी समेत पुलिसकर्मियों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल घायल में खुद भर्ती कराया। जहां घायल पुलिस कर्मियों का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि थाना प्रभारी आरबी त्रिपाठी की स्थिति गंभीर है।

रायपुरः छत्तीसगढ़ में मिले 2106 नए कोरोना संक्रमित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में रिकार्ड 2106 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले है। इसके साथ ही 20 संक्रमितों की मौत भी हो गई हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में 2106 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं उनमें दुर्ग के 793,रायपुर के 573,राजनांदगांव के 126,बिलासपुर के 101,धमतरी के 42,सरगुजा के 46,जशपुर के 35 एवं बेमेतरा के 52 मरीज शामिल हैं। नए संक्रमित मरीजों की संख्या के मामले में दुर्ग लगातार पहले स्थान पर बना हुआ है। इस दौरान 20 संक्रमित मरीजों की मौत भी हो गई इनमें 10 की एम्स में जबकि शेष की रायपुर मेडिकल कालेज अस्पताल एवं निजी अस्पतालों में मौत हो गई। इसके साथ ही राज्य में कोरोना से मरने वालों की तादाद बढ़कर 4011 हो गई है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमत ने दी हाईब्रिड बाइक को पहचान

बैटरी व पेट्रोल चलने वाली बाइक की होने लगी मांग

भोपाल, (एजेंसी)। पेट्रोल की निरंतर बढ़ती कीमत ने समाज के उन लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं जिनका काम दिनभर बाइक से चलने का है। इनमें उन लोगों की संख्या अधिक है, जिन्हें दिन भर मोटर-बाइक से चलना है, लेकिन पेट्रोल की कीमत बढ़ने के कारण उनके घर का बजट बिगड़ दिया है। ऐसे लोग अब तीसरे विकल्प की तलाश में थे, कि तभी बाजार में हाइब्रिड बाइक बनना शुरू हो गई, जिन्होंने उनकी मुश्किलों को कम करने की कोशिश शुरू कर दी है।

पेट्रोल के दाम लगभग 100 रुपए प्रति लीटर होने के बाद से लोगों की चिंता बढ़ गई है। इससे निजात पाने के लिए लोग बैटरी वाले वाहनों की तरफ देखने लगे थे, लेकिन उसी बीच उनकी समस्या को हल करने के लिए हाइब्रिड बाइक बाजार में बनने लगी हैं। भोपाल में कुछ लोगों ने हाइब्रिड बाइक बनाना शुरू कर दिया है तथा उनका यह दावा है कि एक बार की चार्जिंग में बाइक 70 किमी तक चलती है।

इसे कहते हैं हाइब्रिड बाइक

हाईब्रिड बाइक डबल इंजन बाइक होती है, जो पेट्रोल व बैटरी दोनों से चलती है। इसमें बैटरी से चलाने के लिए अलग से मोटर लगती है जिससे इसका वजन बढ़ जाता है। इसमें 7500 वॉट की मोटर लगती है, जिसकी कीमत लगभग 5500 रुपए आती है। इसी प्रकार लीथियम आयन की बैटरी लगती है। इस बैटरी की कीमत लगभग 25 से 30 हजार रुपए तक होती है। यह बैट्री पचास हजार सायकल (डिस्चार्ज व चार्ज) होती है। इसमें बाइक का पुराना सिस्टम कनेक्ट कर दिया जाता है जिससे इसको बैटरी व पेट्रोल दोनों से चलाया जा सकता है।

सामान्य बाइक को बदला जाता हाईब्रिड में

इसमें सामान्य बाइक को हाइब्रिड में बदला जाता है। भोपाल में इसके बदलने की शुरुआत हो चुकी है। इसमें 40 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक का खर्च आता है। सबसे खास बात यह है कि बुलट बाइक को छोड़कर अन्य सभी प्रकार की बाइकों को हाईब्रिड में बदला जाता है।

मप्र में नहीं बनी पॉलिसी

हाइब्रिड बाइक को लेकर मप्र में फिलहाल कोई पॉलिसी नहीं बनी है। अभी केवल महाराष्ट्र सरकार ने पॉलिसी बनाई हैं जिसमें सुरक्षा मानकों के साथ अन्य मापदंड निर्धारित किए गए हैं। मप्र में पॉलिसी न बनने के कारण फिलहाल हाइब्रिड बाइक को पेट्रोल बाइक की तरह ही मान्यता दी जाएगी।

क्या कहते हैं निर्माता

अभी हमें चार वाहनों के आर्डर मिले हैं। इसमें तीन बाइक हैं तथा एक ओमनी वैन है। अन्य लोग अपनी बाइक को हाइब्रिड में बदलवाने के लिए आ रहे हैं।

अंकित रॉय, प्रोपराइटर
शक्ति स्टेलर, एनर्जी सोल्यूशन्स, प्रा. लि. भोपाल

खजुराहो को पर्यटन का आइकॉन बनाने की तैयारी

शिवराज कल करेंगे छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण

भोपाल, (एजेंसी)। विश्व धरोहर स्थल एवं ऐतिहासिक पर्यटन नगरी खजुराहो में पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत तथा मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा नवनिर्मित छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर का लोकार्पण एवं माइस रोड-शो मीट इन इंडिया का शुभारंभ 26 मार्च को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं प्रदेश की पर्यटन एवं संस्कृति अध्यात्म मंत्री उषा ठाकुर, खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार के सचिव अरविन्द सिंह और पर्यटन एवं संस्कृति के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

यह जानकारी मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक एस विश्वनाथन ने मीडिया से मुखातिब होते हुए बुधवार को दी। एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर है जिसमें सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, उक्त लोकार्पण कार्यक्रम में इंडिया कन्वेंशन प्रमोशन ब्यूरो तथा देश के अन्य शहरों से ट्रेवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, सहित इंवेट मैनेजमेंट एजेंसीज़, कार्पोरेट क्लाइंट्स, स्टेकहोल्डर्स व अन्य अतिथिगण सीमित सं या में शामिल होंगे।

मप्र पर्यटन द्वारा निर्माण एवं विकास कार्यों की श्रृंखला में छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर का निर्माण एवं लोकार्पण एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भविष्य में मप्र में होने वाली इन्वेस्टर्स मीट एवं शासकीय,निजी तथा कॉर्पोरेट कॉन्फ्रेन्सेस हेतु यह कन्वेंशन सेंटर उपयोगी साबित होगा। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कॉर्पोरेट मीट, कॉन्फ्रेन्सेस होगी जिससे खजुराहो बल्कि पन्ना, ओरछा, बांधवगढ़ आदि पर्यटन स्थलों पर व्यवसायिक वद्धि व रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

सिंगरौली, सिवनी और जबलपुर में मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई

इलेक्ट्रोप्लाटिंग पाउडर से बन रही थी आइसक्रीम, दो फैक्टरी सील

सफाई का भी नहीं रखा ख्याल

सिंगरौली, (एजेंसी)। प्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर सिंगरौली के मार्गदर्शन में एसडीएम माड़ा सम्पदा सर्राफ के द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई।

कलेक्टर ने सिंगरौली में निर्देश दिया था कि अभियान चलाया जाए खाद्य विक्रेताओं द्वारा विक्रय की जा रही खाद्य सामग्री की जांच करें एवं निर्धारित मानकों के विरुद्ध और अवमानक खाद्य पदार्थ विक्रय किए पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई करें। जिस के संदर्भ में मंगलवार को एसडीएम माड़ा संपदा सर्राफ के द्वारा इस अभियान के अंतर्गत माड़ा क्षेत्र के आईसक्रीम बनाने वाली फैक्टरियों की जांच की गई है। फैक्टरियों में ना खाए जाने वाले जहरीले पदार्थ जैसे कि इलेक्ट्रोप्लाटिंग पाउडर को चीनी के स्थान में उपयोग किया जा रहा था, वहीं इन फैक्टरियों में साफ-सफाई का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा सैम्पल लिए जाने के उपरांत इन दोनों फैक्टरियों को सील कर किया गया है। कार्रवाई के दौरान प्रभारी तहसीलदार माड़ा दिवाकर सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी साहू, चौकी प्रभारी बालेन्द्र त्यागी एवं अन्य राजस्व व पुलिस का अमला मौजूद रहा।

जांच में डेढ़ लाख की सुपारी एवं गुटखा जब्त, प्रतिष्ठान सील

सिवनी। कलेक्टर सिवनी डॉ. राहुल फटिंग के निर्देशानुसार खाद सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की कार्रवाई लगातार जारी है।

इसी क्रम में 24 मार्च को बरघाट क्षेत्र में स्थित विभिन्न खाद प्रतिष्ठानों की जांच की गई। कुल्हाड़े पान मसाला से सुपारी कतरन एवं गुटखा का नमूना लिया गया, 683 किलो सुपारी एवं गुटखा को जप्त किया जिसकी कीमत 1,51, 825 रुपए है। मौके पर खाद्य परिसर को सील किया गया।

नकली शहद बनाने वाली फैक्टरी का पर्दाफाश, मौके से मिली भारी मात्रा में नकली शहद

जबलपुर। जिला पुलिस ने मदार टेकरी चौधरी मोहल्ला में छापामार कार्रवाई करते हुए नकली शहद बनाने वाली फैक्टरी का पर्दाफाश किया है। यह है कि फैक्टरी का मालिक शक्कर की चाशनी को शहद बना कर मंदिरों के बाहर बेचा करता था और यही नकली शहद को लोग फिर भगवान के अभिषेक में चढ़ाते थे। दरअसल मुखबिर की सूचना पर सीएसपी अखिलेश गौर ने हनुमानताल थाना पुलिस की टीम के साथ जैसे ही चौधरी मोहल्ले में स्थित नकली शहद की फैक्टरी पर छापा मारा, तो उनकी आंखें खुली की खुली रह गई। मौके से भारी मात्रा में नकली शहद से भरी छोटी-छोटी बोटल बरामद कर फैक्टरी चौधरी मोहल्ला निवासी ताराचंद अहिरवार की बताई जा रही है। जो कि लंबे समय से यह गोरखधंधा कर रहा था। पुलिस के मुताबिक नकली शहद फैक्टरी का संचालक ताराचंद अहिरवार जबलपुर ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों में भी इस शहद को सप्लाई किया करता था। आरोपी ताराचंद अहिरवार इस शहद को उन दुकानों के पास बेचा करता था, जहां पर की बड़े भव्य मंदिर होते हैं और फिर इस शहद से भगवान का अभिषेक किया जाता था।

जेयू में अश्लील वीडियो देखने वाले दो महिला कर्मियों सहित पांच बर्खास्त, एक को नोटिस

तीन विभागों के आठ यूजर आईडी से देखा था 21 घंटे वीडियो

ग्वालियर, (एजेंसी)। जीवाजी विश्वविद्यालय (जेयू) में कर्मचारियों द्वारा अश्लील प्रतिबंधित वीडियो देखने के मामले में पांच कर्मचारियों की जेयू ने बर्खास्त कर दिया है, इसमें दो महिला और एक अतिथि शिक्षक शामिल है। मामले में एक स्थाई कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जीवाजी विश्वविद्यालय जेयू के कुछ कर्मचारियों द्वारा यूजर आईडी से अश्लील सामग्री देखी गई या डाउनलोड की गई उसे उपयोग करने वालों में युवा कर्मचारियों के अलावा रिटायरमेंट के नजदीक पहुंच चुके कर्मचारी और कुछ महिलाओं के नाम भी शामिल बताए गए हैं।

जेयू प्रबंधन ने तत्काल यूजर आईडी ब्लॉक की, नोटिस जारी किए और जवाब तलब किए जिसके बाद बहुत से कर्मचारियों ने जवाब दिया कि वे दूसरी साइट सर्च कर रहे थे लेकिन खुल पोर्न साइट रही थी। जेयू के जनसंपर्क अधिकारी केशव सिंह गुर्जर ने बताया कि मामले की जाँच के लिए बनी समिति ने निष्कर्ष निकाल कर जेयू को सर्विस प्रदान करने सर्विस प्रोवाइडर के चार कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है इनमें दो पुरुष और दो महिला कर्मचारियों के नाम शामिल हैं। जाँच में एक अतिथि शिक्षक का नाम भी सामने आया उसे भी नौकरी से हटा दिया गया जबकि एक स्थाई कर्मचारी दोषी पाया गया उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

गौरतलब है कि जीवाजी विश्वविद्यालय के तीन विभागों अकादमिक शाखा, यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट शाखा और इन्वायरमेंट साइंस शाखा के 8 यूजर आईडी से एक सप्ताह में लगभग 21 घंटे अश्लील वीडियो देखे जाने की बात का खुलासा हुआ था। इसका खुलासा नेशनल नॉलेज नेटवर्क ने किया। जेयू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चार सर्विस प्रोवाइडरों सहित दो महिला कर्मचारी और अतिथि शिक्षक को नौकरी से हटाने और एक स्थाई कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने की पुष्टि की है।

बेटे की किडनैपिंग में आया नाम तो मां फंदे पर झूली

बदनामी के चलते उठाया कदम

ग्वालियर। अपने ही बेटे के अपहरण में नाम आया तो बदनामी से आहत मां ने फांसी लगाकर जान दे दी। ग्वालियर में यह घटना बुधवार सुबह हुई। दरअसल, दो दिन पहले 9 वर्षीय बच्चे के अपहरण के बाद पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी। इस मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए थे। इनमें से एक अपहरणकर्ता ने बयान दिया था कि मां के कहने पर बच्चे को उठाया गया। पुलिस को भी जांच में ऐसा कुछ भी नहीं मिला और वह महिला को क्लीनचिट दे चुकी थी। हालांकि आरोप के बाद से ही महिला व्यथित थी और बदनामी का सामना कर रही थी। बुधवार को जब उसका पति बेटे को स्कूल छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान महिला ने घर में ही फांसी लगा ली।

जनकगंज थानाक्षेत्र स्थित हारकोटासीर निवासी 28 वर्षीय प्रियंका पत्नी जीतू उर्फ जितेन्द्र कुशवाह ने बुधवार सुबह फांसी लगा ली। घटना के समय जीतू बच्चे को तैयार कर स्कूल छोड़ने जा रहा था। बच्चे की परीक्षा चल रही है। कुछ सामान उठाने के लिए वह घर की दूसरी मंजिल पर गया तभी प्रियंका ने खुद को नीचे के कमरे में बंद कर लिया और फांसी लगा ली। जब पति नीचे आया तो तत्काल उसने कुंडी तोड़कर प्रियंका को बाहर निकाला और अस्पताल लेकर पहुंचा। जब उसे फंदे से उतारा तो वह तड़प रही थी। अस्पताल में डॉक्टर ने ऑक्सीजन लगाकर जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जनकगंज थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं कर रही है।

आबकारी अधिकारी संबंध बनाने बनाता था दबाव, तबादले की देता था धमकी

पीड़िता ने 14 साल तक सहने के बाद नौकरी छोड़कर की शिकायत

इंदौर, (एजेंसी)। विजयनगर पुलिस ने नौकरी छोड़ चुकी आबकारी विभाग की महिला कर्मचारी की शिकायत पर आबकारी अधिकारी कल्याणसिंह अलावा के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया है। आरोपी महिला पर संबंध बनाने के लिए दबाव बनाता था। विरोध करने पर धार-झाबुआ इलाके में तबादले की धमकी देता था।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने बताया कि छेड़चाड़ की शुरुआत वर्ष 2007 से हुई, आरोपी कल्याण सिंह उस समय आबकारी विभाग में लेखापाल था। महिला उससे कनिष्ठ पद पर पदस्थ थी। ऑफिस में वह महिला को फाइलें लेकर बुलाता और बुरी नीयत से छूने की कोशिश करता। पीड़िता के अनुसार मुताबिक कल्याण सिंह शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया और नहीं करने पर धार-झाबुआ तबादला कराने की धमकी दी। जब महिला ने आरोपी की बात पर ध्यान नहीं दिया तो उसने महिला की 2008 में निर्वाचन में ड्यूटी लगवा दी। वह लगातार महिला को प्रताड़ित करता रहा। इससे परेशान होकर उसने पहले नौकरी छोड़ी और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला थाना प्रभारी ज्योति शर्मा ने बताया कि महिला तीन महीने पहले थाने पर आई थी। वह अपने बार-बार बयान बदल रही थी। पूरा मामले में भी विशाखा गाइडलाइन के अंतर्गत भी आता है।

एमपीपीएससी की चयन सूची क्यों जारी नहीं कर रहे: हाईकोर्ट

ओबीसी आरक्षण मामले में मांगा जवाब

जबलपुर। ओबीसी वर्ग का आरक्षण 27 फीसदी किये जाने तथा ईडब्ल्यूएस आरक्षण के संबंध में दायर दो दर्जन से अधिक याचिकाओं पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस मोह. रफीक व जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की युगलपीठ ने सरकार से एमपीपीएससी 2018 की सिलेक्शन लिस्ट जारी नहीं करने के संबंध में जवाब मांगा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किये जाने के संबंध में अशिता दुबे सहित 2 दर्जन से अधिक याचिकाएं हाईकोर्ट में दायर की गईं थीं। युगलपीठ ने पीएससी द्वारा विभिन्न पदों की परीक्षाओं की चयन सूची में भी ओबीसी वर्ग को 14 फीसदी आरक्षण दिए जाने का अंतरिम आदेश पारित किये थे। याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के युगलपीठ को बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा एमपीपीएससी 2018 की सिलेक्शन लिस्ट जारी नहीं की गयी है। न्यायालय ने ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने पर रोक लगाई है। ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करते हुए सरकार सिलेक्शन लिस्ट जारी कर सकती है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद इस संबंध में सरकार से जबाव मांगा है। युगलपीठ ने ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत आरक्षण देने का अंतरित आदेश यथावत रखा है।

ट्रेन में 36 घंटे युवती से छेड़छाड़ युवकों को जूते-चप्पलों से पीटा

कटनी, (एजेंसी)। ट्रेन से उतारकर महिलाओं ने कुछ मनचले लड़कों की जमकर पिटाई की। एक युवती बेंगलुरु से कटनी आ रही थी, इस दौरान ट्रेन के कोच में कुछ युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। युवती ने आरपीएफ को शिकायत की तो वो भी बस आकर खानापूर्ति करके चले गए। जब ट्रेन कटनी पहुंची तो प्लेटफॉर्म पर पहले से मौजूद युवती के रिश्तेदारों ने युवकों को ट्रेन से बाहर निकाला और फिर जूते चप्पलों से उनकी जमकर धुनाई कर दी।

मामला कटनी रेलवे स्टेशन का है। जहाँ यात्रा के दौरान एक महिला यात्री संघमित्रा एक्सप्रेस में बैठ कर कटनी आ रही थी। जैसे ही ट्रेन बेंगलुरु से चली तो तीन चार युवकों ने युवती को कमेंट पास किये। उनकी हरकत यहीं नहीं रूकी, वो युवती को छूने भी लगे।

डरी सहमी युवती ट्रेन से 20 तारीख को कटनी पहुँची तो वहां पर पहले से मौजूद उसके परिवार वाले ओर परिचित लोगों ने ट्रेन से उतारकर उन मनचलों की चप्पलों से जमकर पिटाई कर दी। महिलाओं ने चप्पल जूते और लातों से युवकों की जमकर धुनाई की। महिलाओं ने बताया कि युवक संघमित्रा ट्रेन में 36 घंटे तक युवती से छेड़छाड़ कर रहा था।

पेज 1 का शेष

छह हजार से ज्यादा अवैध कॉलोनियां होंगी वैध

ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर में ऐसी कॉलोनियां सबसे ज्यादा हैं। शिवराज सरकार अगर निकाय चुनाव से पहले इन्हें नियमित कर देती है, तो यह बीजेपी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकता है। हालांकि शिवराज सिंह चौहान ने 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान भी घोषणा की थी, लेकिन सत्ता में वापस नहीं लौट पाए थे। कांग्रेस की सरकार में यह ठंडे बस्ते में चला गया था।

बैंक से लोन मिल सकेगा

अवैध कॉलानियों को नियमित करने का संशोधित कानून लागू होने के बाद निर्मित मकानों के नक्शे स्वीकृत होंगे। साथ ही, लोग निर्माण के लिए बैंक से लोन भी ले सकेंगे। इन कॉलोनियों में कई प्लॉट अभी भी खाली पड़े हैं, क्योंकि नक्शा स्वीकृत नहीं होने के कारण बैंक से लोन नहीं मिल पाया था।

ये प्रावधान भी होंगे

- पहले अवैध कॉलोनी निर्माण के दौरान रहवासी को भी अभियुक्त बनाया जाता था, लेकिन नए कानून में सिर्फ कॉलोनाइजर के खिलाफ कार्रवाई होगी।
- बिना अनुमित निर्माण करने पर कालोनाइजर अथवा बिल्डर के खिलाफ सात साल तक की सजा और 10 लाख रुपए का जुर्माना होगा।
- यदि बिल्डर ने यह राशि नहीं चुकाई, तो बैंक गारंटी या फिर संपत्ति कुर्क की जाएगी।
- नगर निगम के अफसरों की जवाबदेही भी तय की गई है। यदि अवैध निर्माण होता है तो संबंधित अफसर व कर्मचारी के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

50 एकड़ गेहूं की फसल में घुसा नहर का पानी, मेहनत हुई बर्बाद

टेस्टिंग के दौरान बिना पूर्व सूचना नहर में पानी छोड़ा

सिवनी (एजेंसी)। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत नरेला में बुधवार की सुबह खेतों में लगी गेहूं की फसल जो की कटाई की और पहुंच चुकी थी खेतों में नहर का पानी छोड़े जाने से बड़ी मात्रा में पानी खेतों में पहुंच गया। नरेला निवासी किसान झलकन सिंह बघेल, राजेश यादव, अर्पित मिश्रा आदि ने बताया कि नहर का काम यहां 15 दिन से बंद पड़ा था। नहर कच्ची है। वहीं बुधवार को बिना पूर्व सूचना दिए नहर में पानी छोड़े जाने से खेत में लगी गेहूं की फसल में पानी बड़ी मात्रा में पहुंच गया। खेत की मिट्टी जहां गीली हो गई वहीं फ सल को नुकसान हुआ है अब उनके समक्ष कटाई की भी समस्या आ खड़ी हुई है। वहीं कुछ किसानों ने आनन-फानन में फसल को कटवाया है और अभी भी कई एकड़ में गेहूं की फसल लगी हुई है।

इन दिनों खेतों में गेहूं की फसल लगी हुई है और वह कटाई की और पहुंच गई है। सूखी फसल में नहर का पानी पहुंच जाने से लगभग 50 एकड़ क्षेत्रफल में लगी गेहूं की फसल बर्बाद हो गई वहीं इस मामले में किसानों का कहना है कि नहर की टेस्टिंग अगर करना ही था तो अधिकारियों को क्षेत्र की फसल कटने के बाद या किसानों को इस मामले की सूचना देने के बाद नहर से पानी छोड़ा जाना चाहिए था। नहर की टेस्टिंग के कार्य में घोर लापरवाही बरते जाने का आरोप नरेला के किसानों ने लगाया है।

हनीट्रैप मामले में निलंबित इंजीनियर के खिलाफ दायर परिवाद खारिज

इंदौर, (एजेंसी)। नगर निगम के निलंबित इंजीनियर के खिलाफ संबंधित परिवाद को कोर्ट ने खारिज कर दिया। जेएमएफसी कोर्ट ने आदेश में लिखा है कि पीड़ित युवती ने 1 साल तक अभियुक्त के विरुद्ध कोई शिकायत पुलिस में नहीं की थी प्रथम दृष्टया अभियुक्त के विरुद्ध कोई मामला नहीं बनता और परिवाद निरस्त कर दिया।

परिवादी की ओर से अधिवक्ता यावर खान ने बताया कि क्योंकि पीड़ित अभियुत्रि घटना दिनांक से आज दिनांक तक जेल में बंद है गरीब परिवार से हैं । गांव की रहने वाली है इस कारण उसके द्वारा आरोपी के दबाव में उस समय कोई शिकायत नहीं की थी, परंतु उसने जेल में रहते हुए ही पुलिस में अभियुक्त की शिकायत की है, खुद पीड़ित युवती के कथन होटल कर्मचारी के कथन का होटल का रजिस्टर व युवती का मेडिकल परीक्षण की स्पष्ट साक्ष्य आरोपी के विरुद्ध है। इस न्यायालय के आदेश के विरुद्ध शीघ्र ही रिवीजन सत्र न्यायालय में प्रस्तुत करेंगे। उल्लेखनीय है कि हनी ट्रेप मामले की आरोपी युवती ने कोर्ट में परिवाद दायर कर निगम के निलंबित इंजीनियर पर डरा-धमकाकर दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया था।

एक नजर

कोरोना लॉकडाउन में बढ़ा दुष्कर्म और हत्या का ग्राफ, आत्महत्या और लूट के मामलों में कमी

अहमदाबाद । कोरोना महामारी के चलते करीब पांच माह के लॉकडाउन तथा नाइट कर्फ्यू के दौरान लोगों के बाहर निकलने पर रोक व लंबे समय तक सामाजिक तथा व्यापारिक गतिविधियों पर रोक के बावजूद अहमदाबाद में बीते एक साल में दुष्कर्म, हत्या के प्रयास तथा दुर्घटनाओं के मामलों में वृद्धि देखी गई है। हालांकि सभी तरह के अपराध को लेकर जिले में औसत आठ फीसदी की कमी भी देखी गई है। अहमदाबाद जिले में आत्महत्याओं के मामले में भी 13त की कमी आई है। उत्तर गुजरात के नंदू का विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक राजेश कुमार गोहिल के सवाल के जवाब में गुजरात सरकार ने विधानसभा में बताया कि वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2020 में अहमदाबाद जिले में हुए। अपराधों में औसत 8 फ़ीसदी की कमी देखी गई है लेकिन दुर्घटना दुष्कर्म के प्रयास हत्या के प्रयास जैसे अपराधों में कोरोना महामारी के दौरान भी वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2019 में अहमदाबाद शहर में दुष्कर्म के 253 मामले दर्ज हुए थे जो 2020 में बढ़कर 268 हो गये। दुर्घटना के कारण अहमदाबाद शहर में हुई मौत के मामलों में भी मामूली बढ़ोतरी हुई है। 2019 में जहां 1308 मामले दर्ज हुए थे वहीं 2020 में 1385 मामले सामने आए। इसके अलावा हत्या के प्रयास के मामलों में भी मामूली बढ़ोतरी ही देखी गई। एक साल पहले जहां 130 मामले दर्ज हुए थे वही कोरोना काल में इन मामलों के 133 केस दर्ज किए गए। हालांकि 2019 में चोरी के मुकाबले जहां 2907 दर्ज किए गए थे वहीं 2020 में चोरी के 2386 मामले ही दर्ज हुए।

लूट के मामलों में भारी कमी आई – 2019 में लूट के 328 मामले थे जबकि 2020 में यह 119 दर्ज किए गए। इसके अलावा दंगे के मामले मे149 से 98 पर आ गए। हत्या के मामले भी 81 से घटकर 70 ही दर्ज हुए। 2019 में 360 मामले थे वहीं 2020 में अप्रैल के 247 मामले सामने आए। अहमदाबाद शहर में आत्महत्या के मामले में कमी देखी गई है 833 के मुकाबले 2020 में 725 ही केस दर्ज ही है लेकिन अहमदाबाद जिले में 110 की संख्या से बढ़कर आत्महत्या के मामले 135 सामने आए। अहमदाबाद जिले में हत्या के प्रयास के मामलों में कोई फर्क नहीं आया 2019 व 2020 दोनों वर्ष में 42 42 मामले ही दर्ज हुए।

मरे हुए लोगों से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक के खाते में जमा हो रहा है मनरेगा का पैसा!

गांधीनगर । गुजरात में मनरेगा के नाम पर मरे हुए लोगों के खाते में पैसा जा रहा है। इतना ही नहीं मरे हुए लोग इस पैसे की निकासी भी कर रहे हैं। मनरेगा के पैसे से भ्रष्ट तरीके से अपनी जेब भरने का ये मामला गुजरात छोटा उदयपुर जिले का है, जहां पर एक ऐसे व्यक्ति के खाते में मनरेगा के 1120 रुपये जमा किए जाते रहे हैं जो चार साल पहले ही मर चुका है। इतना ही नहीं इस व्यक्ति के नाम पर मनरेगा कार्ड जारी किया गया है। यहां के स्थानीय विधायक मोहन सिंह राथवा ने ये मामला प्रकाश में लाया और गुजरात विधानसभा में उठाया है। बजट सत्र के दौरान मोहन सिंह राथवा ने प्रश्न काल में ये मुद्दा उठाते हुए कहा कि छोटा उदयपुर में मनरेगा के नाम पर कई तरह की गड़बड़ियां सामने आई है। उनके मुताबिक मनरेगा के नाम पर ऐसे लोगों के खाते में पैसे जा रहे हैं जो मर चुके हैं। इसके अलावा इसमें नाबालिग भी हैं, जिनके खाते में ये पैसे जा रहे हैं। ये गड़बड़ी यहीं तक सीमित नहीं है। मनरेगा के नाम पर सरकारी कर्मचारियों को भी कार्ड जारी किए गए हैं और उनके भी खातों में इसकी रकम जा रही है। बोडेली में जहां चार वर्ष पूर्व मर चुके व्यक्ति के खाते में मनरेगा की रकम जमा की जाती रही है वो इसकी निकासी भी कर रहा है। इसी तरह से प्राइमरी स्कूल टीचर के खाते में भी मनरेगा के 1120 रुपये जमा किए गए हैं। जीईबी में काम करने वाले अश्विनी राथवा के खाते में भी इसी तरह से पैसा जमा किया गया है। ये भूतिया लोग मनरेगा के नाम पर पैसे का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं और दूसरे लोगों का हक मार रहे हैं, जिन्हें इसकी जरूरत है। उन्होंने कहा है कि मनरेगा के कार्ड सरकारी कर्मचारियों तक को जारी किए गए हैं। जिन्हें गलत तरीके से मनरेगा के कार्ड जारी किए गए हैं उनके 13 से 15 वर्ष की आयु के नाबालिग भी शामिल हैं। ये भी इसके तहत पैसा पा रहे हैं। उनके मुताबिक ये गड़बड़ी केवल यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि मनरेगा के नाम पर कोहारी गांव में 19 लाख रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया है। यहां पर झील के नाम पर इस रकम की अदायगी की गई जबकि यहां पर कोई भी काम इसको लेकर हुआ ही नहीं है। इसी तरह से चुंदेली गांव में वहां के सरपंच को भी मनरेगा का कार्ड जारी किया गया है। मोहन सिंह राथवा द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में राज्य के कृषि मंत्री आरसी फालदू ने कहा कि उन्हें भी वर्ष 2020 में मनरेगा के तहत गड़बड़ियों की जानकारी मिली है। इसके बाद उन लोगों पर कार्रवाई की गई है जो इसमें लिप्त थे। कुछ लोगों को टर्मीनेट भी किया गया है।

ओड़िशा में कोरोना प्रतिबंध के बीच चलायी जाएंगी पैसेंजर व मेमू ट्रेन, चेक करें आगमन व प्रस्थान का समय

भुवनेश्वर । ओडिशा में कोविड प्रतिबंध के बीच बहुत जल्द पैसेंजर एवं मेमु ट्रेन चलायी जाएगी। यात्रियों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय ओड़िशा सरकार ने लिया है। पूर्वतट रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक भुवनेश्वर-केन्दुझरगड़-भुवनेश्वर तथा पुरी-अनुगुल-पुरी के बीच मेमु ट्रेन आवागमन करेगी। इसके साथ ही पुरी-हाटिया, पुरी-सम्बलपुर एवं पुरी पारादीप के बीच विशेष ट्रेन चलायी जाएगी। भुवनेश्वर-केन्दुझरगड़ मेमु 30 मार्च से अपराह्न 4 बजकर 35 बजे भुवनेश्वर से रवाना होगी और रात 9 बजकर 35 मिनट पर केन्दुझरगड़ पहुंचेगी। केन्दुझरगड़-भुवनेश्वर मेमु सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर केन्दुझरगड़ से निकलकर पूर्वाह्न 11 बजकर 5 मिनट पर भुवनेश्वर पहुंचेगी। उसी तरह से पुरी-अनुगुल मेमु 5 अप्रैल से अपराह्न 4 बजकर 45 बजे पुरी से निकलकर रात 9 बजकर 30 मिनट पर पहुंचेगी। अनुगुल-पुरी मेमु सुबह 5 बजकर अनुगुल से निकलकर पूर्वाह्न 10 बजकर 20 मिनट पर पुरी पहुंचेगी। वहीं दूसरी तरफ पुरी-हाटिया-पुरी ट्रेन एक अप्रैल से पुरी से रात 8 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगी और अगले दिन पूर्वाह्न 10 बजकर 45 मिनट पर हाटिया पहुंचेगी। हाटिया-पुरी ट्रेन अप्रैल 2 तारीख से अपराह्न 4 बजे हाटिया से निकलकर अगले दिन सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर पुरी पहुंचेगी। सम्बलपुर-पुरी-सम्बलपुर विशेष ट्रेन अप्रैल 3 तारीख से सुबह 6 बजे सम्बलपुर से निकलकर अपराह्न 12 बजकर 50 मिनट पर पुरी पहुंचेगी। इसके बाद अपराह्न 3 बजकर 45 मिनट पर पुरी से निकलकर रात 10 बजकर 10 मिनट पर सम्बलपुर पहुंचेगी। पुरी-पारादीप-पुरी विशेष ट्रेन 7 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर पुरी से निकलकर पूर्वाह्न 10 बजकर 15 मिनट पर पारादीप पहुंचेगी। इसके बाद 6 बजे पारादीप से रवाना होगी और रात 10 बजकर 10 मिनट पर पुरी पहुंचेगी।

बिना पंजीकरण नशा छुड़ाने का धंधा बन गए निजी नशा मुक्ति केंद्र, मनारोग विशेषज्ञ-काउंसलर तक नहीं

जम्मू । जम्मू संभाग में युवाओं में नशाखोरी की लत बढ़ी तो कुछ लोगों ने इसे छुड़ाने को ही कमाई का कारोबार बना लिया। बिना पंजीकरण के चल रहे निजी नशा मुक्ति केंद्रों में सुविधाओं की घोर कमी है। मनारोग विशेषज्ञ तो दूर काउंसिलिंग देने के लिए भी कोई नहीं मिलता। आश्चर्य है कि इनमें सुविधाओं की जांच के लिए समिति भी बनी है, लेकिन यह अब तक इन केंद्रों की दहलीज पर नहीं पहुंची है।

जम्मू संभाग में पहला नशा मुक्ति केंद्र जम्मू जिले के पुरखु में वर्ष 1991 में खुला था। जेके सोसायटी फार प्रमोशन आफ यूथ एंड मासेस ने सामाजिक न्याय मंत्रालय के एक प्रोजेक्ट के तहत इसे स्थापित किया था। यह प्रोजेक्ट अभी भी चल रहा है। इसके कई साल बाद जम्मू के मनोरोग अस्पताल में नशा मुक्ति केंद्र खुला, लेकिन वह अधिक दिन नहीं चल पाया। इसके बाद मेडिकल कालेज में भी खुला, यह भी बंद हो गया। तब तक नशे की समस्या अधिक नहीं थी। पिछले एक दशक में जम्मू संभाग में नशाखोरी की समस्या बढने लगी। लोगों को नशे से मुक्त कराने के काम को कुछ लोगों ने कमाई का जरिया बना लिया, तो फिर यहां पर एक के बाद एक नशा मुक्ति केंद्र खुलने लगे। पहले यहां कोई भी नशा मुक्ति केंद्र नहीं खोलता था, लेकिन वर्तमान में जम्मू संभाग में छह से सात निजी नशा मुक्ति केंद्र चल रहे हैं।

बिरेंद्र प्रसाद बैश्य सांसद और पार्टी नेताओं के साथ वरिष्ठ एजीपी नेता गुवाहाटी में एजीपी प्रधान कार्यालय में असम विधानसभा चुनाव से पहले असोम गण परिषद (एजीपी) के चुनाव घोषणापत्र को जारी करते हुए।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से अल्पसंख्यक आयोग ने अध्यापक पात्रता परीक्षा की तारीख बदलने के निर्देश दिए

जयपुर । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से महावीर जयंत यानी 25 अप्रैल को आयोजित होने वाली अध्यापक पात्रता परीक्षा, रीट का मामला राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग तक पहुंच गया है।

आयोग ने राज्य सरकार से परीक्षा की तारीख में बदलाव करने के लिए कहा है। इसी बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले में कमेटी गठित कर रिपोर्ट मांगी है। कमेटी अल्पसंख्यक आयोग के निर्देश का विधिक और व्यवहारिक पहलुओं का अध्ययन कर मुख्यमंत्री को रिपोर्ट देगी। कमेटी की रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य सरकार परीक्षा की तारीख बदलने को लेकर निर्णय लेगी।

शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार सभी तरह से अध्ययन कर रही है। इस परीक्षा में शामिल होने के लिए 16 लाख 40 हजार 319 अभ्यार्थियों ने आवेदन किया है। दरअसल, आयोग के उपाध्यक्ष आतिफ रशीद दो दिन पहले राजस्थान दौरे पर आए थे।

इस दौरान जैन समाज के लोग उनसे मिले थे और महावीर जयंती को अपना बड़ा त्यौहार बताते हुए उस दिन अध्यापक पात्रता परीक्षा रद्द करने का आग्रह किया था। इस पर आयोग ने प्रदेश के मुख्यसचिव नीरंजन आर्य को पत्र लिखकर महावीर जयंती यानी 25 अप्रैल को परीक्षा नहीं कराने के लिए कहा था।

उधर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ.डी.पी.जारोली ने कहा कि तय कार्यक्रम के अनुसार ही परीक्षा का आयोजन होगा,क्योंकि इससे पहले और बाद में कोई भी दिन खाली नहीं है। प्रत्येक रविवार को विभिन्न भर्ती की एजेंसियों की परीक्षाएं है।

उसके बाद मई में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं होंगी। जून में भी कोई रविवार का दिन खाली नजर नहीं आ रहा । कामकाजी लोगों के इसमें शामिल होने के कारण इसे रविवार को ही कराना आवश्यक है। यह परीक्षा दो पारी में होगी। दोनों पाटियों में कुल 150 प्रश्न पूछे जाएंगे।

महाराष्ट्र के बीड जिले में लगा लॉकडाउन, 26 मार्च से 4 अप्रैल तक लागू रहेगा फैसला

मुंबई । महाराष्ट्र के बीड जिले में 26 मार्च से 4 अप्रैल तक के लिए पूरी तरह से लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। नागपुर, मुंबई और पुणे के अलावा बीड जिले में भी बड़ी संख्या में बीते कुछ समय से कोरोना के मामले मिल रहे थे। इससे पहले नागपुर में भी प्रशासन ने 15 से 21 मार्च तक के लिए कंप्लीट लॉकडाउन किया था। महाराष्ट्र के कई जिलों में नाइट कर्फ्यू भी लागू है। 10 दिनों के लॉकडाउन के दौरान सभी मैरिज हॉल, होटल और रेस्तरां बंद रहेंगे। इसके अलावा सभी स्कूल और कॉलेजों को भी बंद रखने का आदेश दिया गया है।

निजी दफ्तरों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया गया है और कर्मचारियों से यथासंभव वर्क फ्रॉम होम कराने की हिदायत दी गई है। हालांकि इस दौरान दूध, दवा, सब्जी और राशन जैसी जरूरी वस्तुओं को बेचने वाली दुकानें खुली रहेंगी। महाराष्ट्र में कोरोना का कहर लगातार जारी है। मंगलवार को भी राज्य में 28,000 से ज्यादा नए केस सामने आए। इसके अलावा 132 लोगों की मौत हो गई। राज्य में अब त कोरोना से मौतों का आंकड़ा 53,589 पर पहुंच गया है।

राज्य में नागपुर, पुणे, मुंबई, अहमदनगर, औरंगाबाद समेत तमाम जिलों में पाबंदियां लगाई गई हैं। बीएमसी ने मंगलवार को ही होली को लेकर आदेश जारी करते हुए कहा था कि सार्वजनिक स्थानों पर त्योहार मनाने की अनुमति नहीं होगी। बता दें कि महाराष्ट्र के अलावा गुजरात के भी 4 शहरों में नाइट कर्फ्यू लगा है, जबकि मध्य प्रदेश और राजस्थान के भी कई शहर पाबंदियों के दौर से गुजर रहे हैं। पंजाब के 12 जिलों में सरकार ने नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया है। इसके अलावा दिन में भी एक घंटे के लिए वाहनों पर रोक का फैसला लिया गया है।

क्या-क्या रहेगा बंद

महाराष्ट्र के बीड़ जिले में 10 के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के दौरान बाजार, स्कूल, जिम, मैरिज हॉल, होटल, मॉल, सिनेमा हॉल,कोचिंग सेंटर, चौपाटी, कार्यालय और अन्य संस्थान को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बेवजह अपने घरों से बाहर न निकले। हालांकि लॉकडाउन के दौरान कोरोना वॉरियर्स और स्वास्थ्यकर्मियों को काम पर जाने की छूट दी गई है। इस दौरान सब्जी व फलों की दुकानें भी सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुली रहेगी।

बता दें कि राज्य में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों को देखते हुए लॉकडाउन लागू करने का अधिकार अब स्थानीय प्रशासन को दे दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 24 मार्च (मंगलवार) को राज्य व्यापी लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा। अर्थात कोरोना को काबू में करने के लिए राज्य सरकार फिलहाल राज्यव्यापी लॉकडाउन से परहेज कर रही है।

राजस्थान के बाड़मेर में मारपीट कर युवक को पेशाब पिलाने का प्रयास, पुलिस में मामला दर्ज

जयपुर । राजस्थान में बाड़मेर जिले के कोशूल गांव में एक युवक को लोहे की डंडे से पीटने और फिर पेशाब पिलाने के प्रयास का मामला सामने आया है। इस संबंध में सिणधरी पुलिस थाने में मामला दर्ज होने के बाद पांच आरोपितों की तलाश की जा रही है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

वीडियो वायरल करने वाले भी आरोपित ही बताए जा रहे हैं। इस संबंध में पीड़ित के पिता ने सिणधरी पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया और पांच लोगों के खिलाफ बेटे को लोहे के डंडे से पिटाई करने व शराब पिलाने के प्रयास का आरोप लगाया है। घटना के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार हरिराम, जोगाराम, देशाराम व एक अन्य ने युवक का अपहरण 8 मार्च को किया। युवक का अपहरण कर चारों आरोपित उसे आबादी से दूर खेतों में ले गए और फिर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई।

पीड़ित के पिता के अनुसार आरोपितों ने उसके बेटे के पास से 5 हजार की नकदी, मोबाइल फोन, चांदी का फूल और कानों में पहले हुए सोने के लूंग भी लूट लिए। सिणधरी पुलिस थाना अधिकारी बलदेवराम ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। आरोपितों की गिरफ्तार के बाद ही साफ हो सकेगा कि उन्होंने युवक के साथ मार-पीट कर पेशान पिलाने का प्रयास क्यों किया। पीड़ित युवक और उसके पिता के बयान दर्ज किए गए हैं ।

चुप क्यों हैं उद्धव ठाकरे, कांग्रेस भी बताए महावसूली सरकार में मिला कितना हिस्सा: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई । मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लेटर में होम मिनिस्टर पर लगाए आरोपों को लेकर पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गवर्नर से मुलाकात की है। देवेंद्र फडणवीस बुधवार को सुबह बीजेपी के कई नेताओं के साथ गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी से मिले और उन्हें ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल से मुलाकात के बाद फडणवीस ने कहा कि यह दुख की बात है कि पूरे मामले पर सीएम उद्धव ठाकरे चुप हैं। शरद पवार ने दो दिन तक बचाव किया है, जबकि कांग्रेस अस्तित्व में नहीं दिख रही है। उन्होंने एक बार फिर से महाविकास अघाड़ी सरकार को महावसूली सरकार करार दिया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरह से चुप्पी बरती है, उसे बताना चाहिए कि उसे इसके लिए कितना हिस्सा मिला है। उन्होंने कहा कि हमने गवर्नर के सामने पूरा मामला रखा है। हमें उम्मीद है कि इस मसले पर गवर्नर को बात करनी चाहिए और सीएम से पूछना चाहिए कि आखिर उन्होंने इस पर क्या कार्रवाई की है। होम मिनिस्टर अनिल देशमुख पर पूर्व कमिश्नर की ओर से लगाए आरोपों के बाद से बीजेपी सूबे की गठबंधन सरकार पर हमलावर है और इस्तीफे की मांग कर रही है। पूर्व पुलिस कमिश्नर ने सीएम को लिखे अपने एक लेटर में आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख की ओर से मुंबई पुलिस को महीने में 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का टारगेट दिया गया था।

बता दें कि परमबीर सिंह का मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से ट्रांसफर कर दिया गया है और अब वह डीजी होमगार्ड्स की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। परमबीर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में अपने ट्रांसफर को चुनौती देते हुए अर्जी दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट में आज परमबीर की अर्जी पर सुनवाई हो सकती है। ऐसे में शीर्ष अदालत के फैसले पर निर्भर करेगा कि राज्य में आगे राजनीतिक घटनाक्रम क्या हो सकता है। बता दें कि एनसीपी के मुखिया शरद पवार ने लगातार दो दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अनिल देशमुख का बचाव किया था। सोमवार को उन्होंने एक अस्पताल का पर्चा दिखाते हुए कहा था कि अनिल देशमुख अस्पताल में एडमिट थे। हालांकि इस पर भी उस वक्त विवाद हो गया, जब उनका 15 फरवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो सामने आया।

बीजेपी का आरोप, आइसोलेशन में नहीं थे देशमुख –यही नहीं अनिल देशमुख ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि शरद पवार के मुंह से झूठ बुलवाया गया। उन्होंने कहा कि शरद पवार ने कहा कि 16 से 27 फरवरी के दौरान अनिल देशमुख आइसोलेशन में थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह एक गेस्ट हाउस में गए थे और अपने घर पर अफसरों से मिलते रहे थे। इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली जाकर गृह सचिव से मुलाकात की थी और पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी।

राजस्थान के उदयपुर में मंदबुद्धि युवती से सामूहिक दुष्कर्म, रात भर दुष्कर्मियों को तलाशती रही पुलिस

उदयपुर । जिले के गोगुंदा उप खंड क्षेत्र में एक मंदबुद्धि युवती को बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे तथा जिले भर में नाकाबंदी कराते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार देर शाम की है। जिले के गोगुंदा उपखंड के सूरजगढ़ क्षेत्र की एक मंदबुद्धि युवती जो अपने घर के नजदीक ही घूम रही थी, उसे कुछ युवक उठाकर ले गए। मोटरसाइकिल से आए युवक युवती को ओगणा की ओर ले गए तथा निर्जन इलाके में ले जाकर उसे बंधक बनाया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। इधर, रात ढलने के बावजूद युवती अपने घर नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू कर दी। दो घंटे की तलाश के बाद युवती बदहवास स्थिति में मिली।

सामूहिक दुष्कर्म करने वाले ने युवती को प्रताड़ित किया और उसके बेहोश होने पर भाग निकले थे। घटनाक्रम की जानकारी गोगुंदा थाना पुलिस को दी। जिसने युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की आशंका जताई। युवती को तत्काल गोगुंदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया और चिकित्सकीय जांच में प्रमाणित माना कि उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ। घटना कुछ ही देर में आग की तरह फैल गई और जैसे ही इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार को मिली तो उन्होंने जिले भर में नाकाबंदी करा दी तथा मोटरसाइकिल से भागे दुष्कर्मियों की तलाश के लिए पुलिस टीम को लगा दिया। वह उदयपुर से गोगुंदा पहुंचे तथा पीड़िता के परिजनों से मिली।

पीड़िता के परिजनों की ओर से गोगुंदा थाने में सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने डॉग स्कवॉड एवं एफएसएल टीम भी मौके पर बुलाई। जिसने साक्ष्य एकत्रित किए हैं। इधर, पुलिस अधीक्षक डॉ. पचार का कहना है कि आरोपियों की धरकपड़ के लिए छह से अधिक थानों की पुलिस जुटी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी पीड़िता के गांव या आसपास क्षेत्र के होंगे, जो पीड़िता के बारे में पहले से ही जानते हैं। अंधेरा ढलने के बावजूद पुलिस पीड़िता तथा आसपास के गांव के उन सभी लोगों की पड़ताल में जुटी हुई है, जो बाइक रखते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिले भर में नाकाबंदी कर दी गई है और हर संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ के निर्देश दिए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की याचिका, कहा- हाई कोर्ट क्यों नहीं गए

मुंबई । पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आखिर आप हाई कोर्ट में क्यों नहीं गए। हालांकि शीर्ष अदालत ने कहा कि जो आरोप लगे हैं, वह गंभीर हैं। परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के होम मिनिस्टर अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी। इसके अलावा उन्होंने अपने ट्रांसफर को भी चुनौती दी है। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद परमबीर सिंह ने अपनी याचिका को वापस ले लिया।

परमबीर सिंह की अर्जी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोप गंभीर हैं, लेकिन आपको पहले हाई कोर्ट जाना चाहिए था। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आखिर आपने अनिल देशमुख को इस मामले में पक्षकार क्यों नहीं बनाया है। अब जल्दी ही परमबीर सिंह की ओर से बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की जा सकती है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने परमबीर की अर्जी पर सुनवाई से इनकार कर दिया है, लेकिन आरोपों को गंभीर बताना एक तरह से महाराष्ट्र सरकार की चिंताओं को बढ़ाने वाला है। यदि इसी तर्ज हाई कोर्ट का फैसला आता है तो यह उसके लिए बड़ा झटका होगा।

कोर्ट ने कहा, बेहद गंभीर हैं अनिल देशमुख पर लगे आरोप

परमबीर सिंह की अर्जी पर विचार करते हुए कोर्ट ने कहा कि अनिल देशमुख पर लगे आरोप बेहद गंभीर हैं। इसके अलावा इस बर्ताव को देश में पुलिस सुधारों को हतोत्साहित करने वाला बताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पुलिस सुधारों पर दिए गए फैसले को लागू नहीं किया गया है। यह मुद्दा तभी उठता है, जब कोई राजनीतिक हालात बिगड़ते हैं। बता दें कि मुकेश अंबानी के घर के बाहर 25 फरवरी की शाम को संदिग्ध स्कॉर्पियो कार मिलने और उसमें विस्फोटक बरामद होने के बाद से विवाद खड़ा हो गया था। इसके बाद कार से जुड़े शख्स मनसुख हिरेन की हत्या की बात सामने आई थी। इस केस में मुंबई पुलिस के अधिकारी सचिन वाझे को एनआईए ने अरेस्ट किया है।

महाराष्ट्र सरकार ने इसके बाद सचिन वाझे को निलंबित कर दिया था और परमबीर सिंह का ट्रांसफर मुंबई पुलिस कमिश्नर के पद से डीजी होमगार्ड्स में कर दिया गया था। ट्रांसफर के बाद परमबीर सिंह ने सीएम उद्धव ठाकरे को एक चिट्ठी लिखी थी, जिसमें होम मिनिस्टर अनिल देशमुख पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्होंने वाझे को 100 करोड़ रुपये की वसूली का टारगेट दिया था।

गुजरात से जुड़े जांच के तार, महाराष्ट्र एटीएस को थी इस व्यक्ति की तलाश

अहमदाबाद । जाने-माने उद्योगपति एवं रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक से लदी कार मामले से जुड़ी जांच के तार गुजरात तक पहुंचने लगे हैं। महाराष्ट्र एटीएस की एक टीम गत दिनों गुजरात के पाटन जिले में पहुंची। हाई प्रोफाइल केस में सिम कार्ड के उपयोग के मामले में महाराष्ट्र एटीएस किशोर भाई ठक्कर नाम के व्यक्ति की तलाश कर रही थी, जिसे पाटन के यश टाउनशिप से हिरासत में लेकर महाराष्ट्र ले जाने की खबर है।

करीब 2 दिन बाद मीडिया में इसकी सूचना लीक होने के बाद पाटन कि यह टाउनशिप तथा उनके मूल वतन भाभर में भी काफी चिंता का माहौल है। मुंबई में अंबानी परिवार के आवास एंटीलिया के बाहर विस्फोटक से लदी कार मामले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी तथा महाराष्ट्र एटीएस कर रही है।

एटीएस की टीम इस मामले में उपयोग किए गए सिम के आधार पर गुजरात पहुंची तथा किशोर भाई ठक्कर नाम के व्यक्ति को हिरासत में लेकर गई है। सिम कार्ड किशोर भाई के नाम से लिया गया अथवा उनका इस हाई प्रोफाइल केस से कोई संबंध है इसकी फिलहाल कोई पुष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है लेकिन स्थानीय पुलिस अब किशोर भाई ठक्कर को महाराष्ट्र एटीएस की टीम द्वारा ली जाने की पुष्टि कर रही है।

बाबा रामदेव के आश्रम में मिला था सांसद नवनीत कौर राणा को लाइफ पार्टनर, दिलचस्प है लव स्टोरी

नई दिल्ली । महिला सांसद नवनीत कौर राणा इन दिनों खूब चर्चा में हैं। दरअसल, नवनीत राणा ने बीते दिन लोकसभा में महाराष्ट्र में जारी 100 करोड़ रुपये के वसूली कांड का मसला उठाया था और महाविकास अघाड़ी सरकार पर जमकर बरसी थीं। उन्होंने संसद में मनसुख हिरेन हत्या का मामले को लेकप महाराष्ट्र में महा विकास अघाडी सरकार पर कई आरोप लगाए थे। उन्होंने संसद में कहा कि जिस पुलिस अधिकारी को 16 साल तक निलंबित रखा गया, उसे महाराष्ट्र में महा विकास अघाडी सरकार आते ही बहाल क्यों कर दिया गया? बाद में नवनीत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया था कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने उन्हें जेल में डालने और देख लेने की धमकी दी है।

उन्होंने कहा कि वह शिवसेना सावंत के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएंगी। इसके बाद तो वे मानो खबरों में छा गईं। वहीं, अरविंद सावंत ने इन आरोपों पर अब सफाई

देते हुए कहा कि मैं उसे क्यों धमकी दूंगा? आप लोग उस समय नवनीत के पास मौजूद लोग से पूछिए वे ही बता सकते हैं कि क्या मैंने उसे धमकी दी है। उनके बात करने का तरीका और बॉडी लैंग्वेज गलत है।

यहां हम आपको राजनीति में उतरने से पहले फिल्मों में हाथ आजमा चुकी नवनीत की निजी जिंदगी के बारे में कुछ बताने जा रहे हैं।

दिलचस्प है नवनीत की लव स्टोरी– राजनीति में उतरने से पहले नवनीत पंजाबी और साउथ इंडियन फिल्मों में काम कर चुकी हैं। साल 2011 में उन्होंने अमरावती के बडनेरा विधानसभा से विधायक रवि राणा से शादी की थी। लेकिन उनकी लव स्टोरी काफी दिलचस्प है। दरअसल नवनीत कौर राणा और रवि राणा की पहली मुलाकात बाबा रामदेव के आश्रम में हुई थी, जहां दोनों एक योग कैंप में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। मुलाकात के बाद दोनों प्यार में पड़ गए और साल 2011 में इज्तेमाई शादी समारोह में शादी भी कर ली।

एनसीपी ने दिया था अमरावती से टिकट– 2014 के लोकसभा चुनाव में एनसीपी ने नवनीत कौर राणा को अमरावती से टिकट दिया था, लेकिन वह हार गईं। वहीं विपक्षी दलों ने उसके जाति प्रमाण पत्र को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। जिसके बाद उनके खिलाफ अदालत ने मुंबई पुलिस को एफआईआर दर्ज कर जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद साल 2019 में नवनीत अमरावती से निर्दलीय चुनाव जीत गई।

आलिया भट्ट और हिना खान के बाद अंडरवाटर नजर आई श्रद्धा कपूर, दिखाया पानी के अंदर का जीवन

बीते कुछ दिनों में कई अभिनेत्रियों के अंडरवाटर फोटोज और वीडियोज सामने आए हैं। ऐसे में अब इस लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का भी नाम जुड़ गया है। श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में श्रद्धा मालदीव में अंडरवाटर स्विमिंग करती नजर आ रही हैं।०

श्रद्धा की अंडरवाटर स्विमिंग

श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दिख रहा है कि श्रद्धा कपूर पहले समंदर की ओर जाती दिख रही हैं और फिर वो समंदर में चली जाती हैं। इसके बाद वो स्विमिंग करती दिखती हैं। श्रद्धा के अंडरवाटर वीडियो में कई रंग बिरंगी मछलियां भी नजर आती हैं।

पानी के अंदर जीवन

श्रद्धा ने इस वीडियो को शेयर करने के साथ कैप्शन में लिखा, पानी के अंदर का जीवन। इसके साथ ही श्रद्धा ने ये भी बताया है कि ये वीडियो मालदीव का है। करीब आधे घंटे में ही श्रद्धा के वीडियो पर 2 लाख से अधिक व्यूज आ चुके हैं। फैन्स कमेंट्स कर श्रद्धा की और वीडियो की तारीफ भी कर रहे हैं।

हिना खान और आलिया भट्ट

बता दें कि हाल ही में हिना खान और आलिया भट्ट के भी अंडरवाटर स्विमिंग करते फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आए थे, जिन्हें फैन्स ने खूब पसंद किया था। याद दिला दें कि हिना खान इन दिनों मालदीव में ब्वॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ वक्त बिता रही हैं।

मलाइका अरोड़ा ने बोल्ड अवतार से लगाई आग, कहा- 'गर्मी आ गई

फिल्मों से दूर होने के बाद भी मलाइका अरोड़ा खूब सुर्खियों में रहती हैं। मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस के साथ ही साथ अपने बोल्ड अंदाज से भी सोशल मीडिया यूजर्स का दिल जीत लेती हैं। ऐसे में एक बार फिर मलाइका ने एक फोटो शेयर की है, जिससे इंस्टाग्राम का तापमान बढ़ गया है।

मलाइका ने बढ़ाया पारा

मलाइका ने जो तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है, उस फोटो में मलाइका ग्रे कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। तस्वीर में दिख रहा है कि मलाइका स्विमिंग पूल के किनार बैठी हैं और एक दम बिंदास अंदाज में नजर आ रही हैं। पानी के साथ खेलती मलाइका की अदाओं को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं।

गर्मी आ गई..

मलाइका अरोड़ा ने तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, %गर्मी आ गई है। मलाइका की इस तस्वीर को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं और कुछ ही देर में इस फोटो पर लाखों लाइक्स आ गए हैं। वहीं हजारों फैन्स कमेंट्स करते हुए मलाइका की तारीफ कर रहे हैं।

अर्जुन के साथ रिश्ता!

बता दें कि मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस और बोल्ड अवतार के साथ ही अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप की खबरों को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हालांकि कभी भी दोनों में से किसी ने भी इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा है। दोनों एक दूसरे के साथ अक्सर वक्त बिताते नजर आते हैं।

करीना कपूर के बाद पिता सैफ अली खान के साथ नजर आया नन्हा मेहमान, सबा ने शेयर की तैमूर के छोटे भाई की फोटो

बॉलीवुड की गॉर्जियस एक्ट्रेस करीना कपूर खान और अभिनेता सैफ अली खान के घर बीते महीने फरवरी की 21 तारीख को दूसरी बार किलकारी गूंजी थी। करीना ने तैमूर अली खान के बाद फिर से एक बेटे को जन्म दिया था। आज सैफ- करीना का छोटा बेटा एक महीने का हो गया है। ऐसे में सबा पटौदी ने इंस्टाग्राम पर उसकी एक और झलक फैन्स के साथ साझा की है।

सबा पटौदी ने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक छोटा सा जीआईएफ (त्रद्बद्घ) वीडियो शेयर किया है। वीडियो में बताया गया है कि तैमूर अली खान का छोटा भाई एक महीना का हो गया है। इसके साथ ही फोटो में करीना और सैफ के साथ नन्हा मेहमान भी नजर आ रहा है। हालांकि वीडियो में नन्हें मेहमान का चेहरा नजर नहीं आ रहा है।

इस वीडियो को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं और देखते ही देखते ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो गया है। याद दिला दे कि अभी तक सैफ अली खान या फिर करीना कपूर खान ने बेटे के नाम का खुलासा नहीं किया है। वहीं फैन्स बच्चे के दीदार के लिए भी काफी उत्सुक हैं। हालांकि कपल ने इस बारे में अभी तक कोई नई जानकारी नहीं दी है।बात करीना और सैफ के प्रोफेशल फ्रंट की करें, तो अभिनेत्री जल्दी ही आमिर खान के साथ फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आएंगी। फिल्म में करीना के साथ आमिर खान मुख्य रोल में दिखेंगे। वहीं दूसरी ओर सैफ अली खान, ओम राउत की आदिपुरुष के अलावा फिल्म भूत पुलिस में भी नजर आएंगे।

हरमन बावेजा की संगीत सेरेमनी पर राज कुंद्रा ने जमकर किया भांगड़ा, शिल्पा शेट्टी ने शेयर किया वीडियो

बॉलीवुड अभिनेता हरमन बावेजा और साशा रामचंदानी की शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। इन रस्मों में शामिल मेहमानों के कई वीडियोज और तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं। वहीं हाल ही में हरमन बावेजा की संगीत सेरेमनी से राज कुंद्रा का एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है, जिसमें वो मस्तीभरे अंदाज में भांगड़ा करते नजर आ रहे हैं। राज का ये वीडियो एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने सोशल मीडिया एकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए शिल्पा ने अपने पति की जमकर तारीफें की हैं।

शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उनके पति राज कुंद्रा फ्लॉरल शेरवानी और ऑरेंज शूज पहने नजर आ रहे हैं। उनके साथ में कोई सरदार भी नजर आ रहा है। राज कुंद्रा स्टेज पर किसी पंजाबी गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। वो मस्तीभरे अंदाज में भांगड़ा कर रहे हैं। वहीं उनके आस-पास कई लोग राज का डांस इंजॉय करते नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए शिल्पा ने लिखा- 'पति की तारीफों के लिए पोस्ट, हरमन के संगीत पर स्टेज पर आग लगा दी। OMG मैं जब भी ये वीडियो देखती हूं खुद का मुस्कुराने से रोक नहीं पाती। स्टेज पर भांगड़ा, ये वाकई सुपरस्टार है राज कुंद्रा, मार ही डाला'।

बता कें हरमन और साशा की ग्रैंड वेडिंग सेरेमनी कोलकाता में हो रही है। ऐसी खबरें हैं कि हरमन और साशा की शादी में परिवार और करीबी दोस्तों को मिलाकर सिर्फ 50-70 लोग शामिल होंगे।

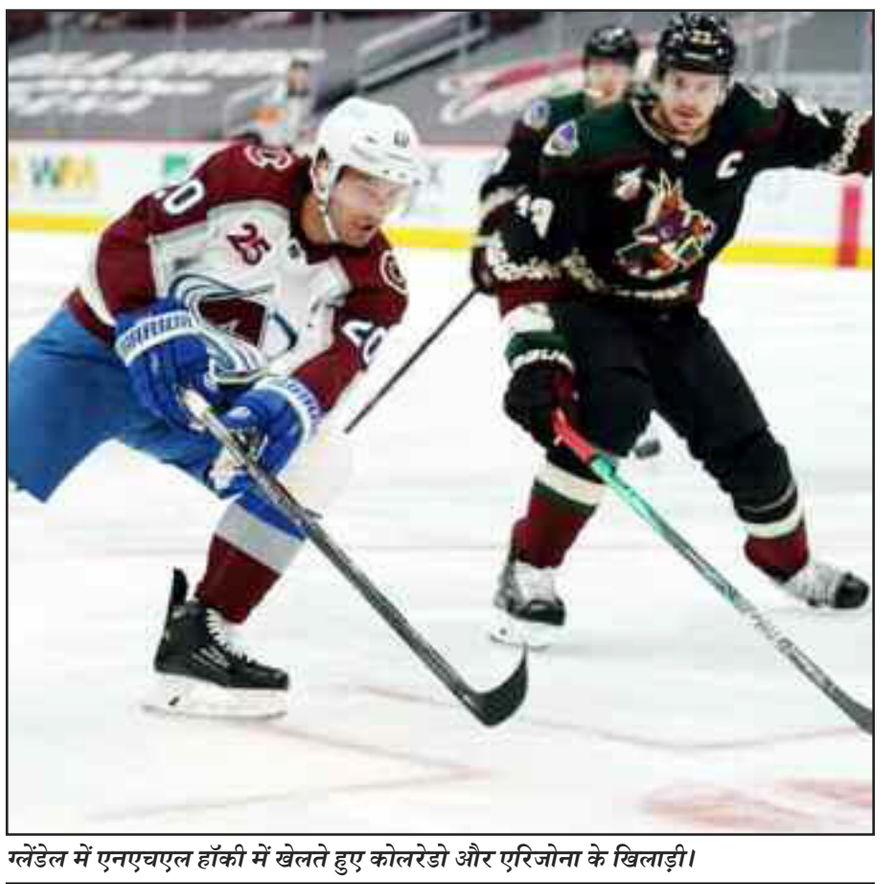

ग्लेंडेल में एनएचएल हॉकी में खेलते हुए कोलरेडो और एरिजोना के खिलाड़ी।

विराट पर भड़के इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर लॉयड

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि वह अंपायरों पर दबाव बनाने का प्रयास करते हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि विराट का इस प्रकार अंपायरों के साथ बहस करना अपमानजनक और गलत व्यवहार है। लॉयड ने कहा कि जब भी मौका मिलता है भारतीय कप्तान अंपायरों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।

कोहली ने हाल ही में सॉफ्ट सिग्नल नियम पर भी सवाल उठाये थे। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के चौथे मैच के दौरान जब सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने सूर्यकुमार यादव को कैच किया तो कोहली ने कहा था कि अंपायर्स के लिए मुझे नहीं पता का सिग्नल होना चाहिए। इस पर लॉयड ने प्रतिक्रिया देते हुए काह था कि सॉफ्ट सिग्नल अंपायर को जितना हो सके उतना अधिकार देता है।

लॉयड ने कहा, विराट को लगता है कि जब चौथे टी20 मैच में डेविड मलान ने कैच किया तो इंग्लैंड ने अंपायर पर दबाव बनाया कि वह सॉफ्ट सिग्नल आउट दें। तो सबसे पहले सॉफ्ट सिग्नल का नियम इसलिए है कि यह ज्यादा से ज्यादा अधिकार मैदानी अंपायर को देता है। और मुझे नहीं पता कि इंग्लैंड ने नितिन मेनन (अंपायर) पर अहमदाबाद में दबाव डाला या नहीं लेकिन मैं एक चीज जरूर जानता हूं कि कोहली पूरे दौरे में अंपायरों पर दबाव डाल रहे हैं, उनका अपमान कर रहे हैं और उनसे बहस कर रहे हैं। कोहली ने कहा था कि जब अंपायर्स निर्णय को लेकर पूरी तरह आश्वस्त न हों तब सॉफ्ट सिग्नल की जगह उनके पास मुझे नहीं पता का सिग्नल होना चाहिए। कोहली ने अंपायर्स कॉल पर संदेह उठाया था। उनका कहना था कि इससे बहुत ज्यादा संशय पैदा होता है हालांकि लॉयड को लगता है कि अगर गेंद के गिल्लियों को सिर्फ छूने भर से आउट दिया जाने लगा तो टेस्ट मैच दो दिन में खत्म हो जाएगा।

दूसरी बार नर्वस 90 टीज का शिकार बने दोनों क्रिकेट टीमों के सलामी बल्लेबाज

पुणे, (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पहले एकदिवसीय मैच में दो ही टीमों के सलामी बल्लेबाज शतक के करीब पहुंचकर भी उसे नहीं बना पाये और नर्वस 90 टीज का शिकार हो गये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने शानदार पारी खेली पर वह दो रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये और 98 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो भी इस मैच में अपना शतक पूरा नहीं कर पाये। बेयरस्टो ने इस मैच में 94 रन की पारी खेली। इसके साथ ही इस मैच में भी यह खास रिकॉर्ड बन गया कि दोनों ही टीमों के सलामी बल्लेबाज नर्वस 90टीज का शिकार बने हैं। क्रिकेट में यह सिर्फ दूसरी बार ही हुआ है जब दोनों ही टीमों के बल्लेबाज नर्वस 90 टीज का शिकार हुए हों। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मोहाली में खेले गए एकदिवसीय मैच में भी ऐसा हुआ था। इस मैच में भी दोनों ही टीमों के सलामी बल्लेबाज नर्वस 90 टीज का शिकार हुए थे। तब भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 95 रन की पारी खेली थी। वहीं ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने भारत के खिलाफ 91 रन की पारी खेली थी। जेसन रॉय और बेयरस्टो की ने इंग्लैंड की टीम को तेज शुरूआत दिलाई। दोनों ही बल्लेबाजों ने मैदान में आते ही शॉट्स खेलने शुरू कर दिए। दोनों ही बल्लेबाजों ने 12 ओवर ततक इंग्लैंड के स्कोर को 100 के पार ले गए। इसके साथ रॉय और बेयरस्टो इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक बार शतकीय साझेदारी बनाने वाली जोड़ी बन गई है।

साझेदारी तोड़ने वाला गेंदबाज बनना चाहते हैं कृष्णा

पुणे, (एजेंसी)। अपने डैब्यू मैच में ही शानदार गेंदबाजी करने वाले युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा है कि वह लंबे समय तक साझेदारी तोडे वाला गेंदबाज बनना चाहते हैं। कृष्णा ने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में चार विकेट लेकर अपने को साबित किया है। कृष्णा ने कहा कि हमारी गेंदबाजी की शुरूआत अच्छी नहीं थी पर हमें भरोसा था कि हम वापसी करेंगे। हमने एक क्लस्टर में विकेट लिए और इससे हमें काफी मदद मिली। मैं अपने तीसरे ओवर के बाद समझ गया, मैं पूरी तरह से गेंदबाजी नहीं कर सकता, और फिर मैंने अच्छी लम्बाई वाली गेंदें फेंकनी शुरू कर दी। आईपीएल का अनुभव भी यहां काम आया। 10 ओवर के प्रारूप में यह अहम रहता है कि आप किस प्रकार से वापसी करते हैं।

कृष्णा ने कहा, मैं एक हिट-ऑफ-डेक गेंदबाज के रूप में जाना जाता हूं। मैं लगातार अधिक लंबाई प्राप्त करने की कोशिश करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं लंबे समय तक साझेदारी तोडे वाला हो सकता हूं, क्योंकि टीम को उस समय इसकी जरूरत थी, इसलिए मुझे ऐसा करने में खुशी हुई। शुरूआत से ही यह चर्चा थी कि अगर हमें एक विकेट मिलता है तो इससे चीजें बदल जाएंगी और ठीक ऐसा ही हुआ। हमें विकेट मिली और उसके बाद विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बनने लगा। पहले एकदिवसीय में भारतीय टीम को 66 रन शानदार जीत मिली है।

गोल्फ पेजे कार्टून कैरेक्टर से हुई छेड़छाड़ से नाराज

लास एंजिल्स, (एजेंसी)। महिला गोल्फर पेजे स्पिरानाक ने हॉलीवुड फिल्म स्पेस जैम में कार्टून कैरेक्टर लोला बन्नी के साथ हुई छेड़छाड़ पर नाराजगी व्यक्त की है। पेजे का कहना है कि डायरेक्टर ने फिल्म में लोला की खूबसूरती को ही समाप्त कर दिया है। पेजे ने कहा कि फिल्म के पोस्टर देखें इसमें लोला वैसे नहीं दिख रही जैसा उसका पिछला प्रतिबंब है। वह पूरे कपड़े पहनी हुई है पर डायरेक्टर ने उसकी भूमिका ही बदल दी है जो सही नहीं है। पेजे ने कहा कि आप देख सकते हैं कि लोला के पास अब आकर्षक शरीर नहीं है। उसने लंबे बास्केटबॉल शॉर्टस पहने थे जबकि बैगी शर्ट डाली हुई है। वह कहीं से भी कामुक नहीं लगती। भले ही आप इसे स्ट्रॉन्ग का नाम दे रहे हैं पर यह एक प्रकार से छेडखानी है जो अच्छी नहीं है।

पिता की याद में कुणाल और हार्दिक ड्रेसिंग रूम में रखे रहते हैं उनका बैग

पुणे, (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या और उनने भाई क्रुणाल पंड्या ने कहा है कि वह पिता को याद कर ड्रेसिंग रूम में उनका बैग रखे रहते हैं। दोनो भाईयों का कहना है कि पिता की मौजूदगी का एहसास करने के लिए उन्होंने उनका बैग ड्रेसिंग रूम में रखा है। बीसीसीआई ने क्रुणाल और हार्दिक की बातचीत का वीडियो ट्वीट किया हैं।

पहले एकदिवसीय में पदार्पण के बाद बड़े भाई क्रुणाल ने कहा कि सपना सच हो गया। यहां तक पहुंचने के लिए मैंने कड़ी मेहनत की, खासतौर से पिछले कुछ महीने केवल क्रिकेट ही नहीं, पिता की देखभाल से लेकर हर चीज में मैंने मेहनत की। ये सब भी उन्हें ही समर्पित है क्योंकि सब कुछ उनके आशीर्वाद से ही संभव हो पाया है। ये भावुक पल है। गौरतल है कि क्रुणाल अपने पिता के निधन के बाद पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेल रहे थे।

हार्दिक और क्रुणाल एक-दूसरे के काफी करीब हैं। कठिन समय में दोनों ने एक-दूसरे का काफी साथ दिया है। हार्दिक ने मैच के बाद क्रुणाल को टैग करते हुए ट्विटर पर लिखा, पापा को आपके ऊपर गर्व हुआ होगा। वो आपके लिए मुस्कुरा रहे होंगे भाई और उन्होंने आपके जन्मदिन से पहले एक गिफ्ट भेजा है। आप बहुत कुछ डिजर्व करते हो। मैं आपके लिए इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता भाई। ये आपके लिए था पापा।

गौरतलब है कि हार्दिक और क्रुणाल के पिता हिमांशु पंड्या का दिल का दौरा पड़ने से इसी साल 16 जनवरी को निधन हो गया था। यही वजह है कि क्रुणाल और हार्दिक दोनो उन्हें याद कर भावुक हो जाते हैं। हार्दिक और क्रुणाल क्रिकेटर बनाने में उनके पिता ने कई त्याग करते हुए शहर और कामकाज तक बदल दिया था।

सेन फ्रांसिस्को में एनबीए बास्केटबॉल मुकाबले में खेलते हुए गोल्डन स्टेट के वारियर।

आईएसएसएफ विश्व कप : 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में ऐश्वर्य को स्वर्ण

नई दिल्ली, (संवाददाता)। युवा भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने यहां आईएसएसएफ विश्व कप की पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। ऐश्वर्य को डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर 462.5 अंकों के साथ ही पहला स्थान मिला। वहीं हंगरी के स्टार राइफल निशानेबाज इस्तवान पेनी को 461.6 जबकि डेनमार्क के स्टेफेन ओलसेन को 450.9 अंक ही मिल पाये। यह भारत का इस टूनार्मेंट में आठवां स्वर्ण पदक है।

फाइनल में भारत के संजीव राजपूत और नीरज कुमार ने भी क्वालीफाई किया था पर वे दोनो ही छठे और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य ने शानदार शुरूआत करते हुए कुछ समय तक बढ़त भी बनाये रखी पर उन्होंने स्टैंडिंग एलिमिनेशन चरण में 10.4, 10.5 और 10.3 अंक हासिल कर वापसी की।

ऐश्वर्य को पहले ही टोक्यो ओलंपिक के लिये कोटा मिल गया था। उन्होंने 2019 एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिये ओलंपिक कोटा हासिल किया था। उन्होंने तीन दिन पहले दीपक कुमार और पंकज कुमार के साथ मिलकर पुरूष टीम एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक भी जीता था। संजीव क्वालीफिकेशन में 1172 अंक से शीर्ष पर थे जबकि ऐश्वर्य और नीरज कुमार ने 1165 का समान स्कोर बनाया। वहीं इस्तवान पेनी, ऐक्सी लेप्पा (फिनलैंड), जान लोचबिहलर (स्विट्जरलैंड), जुहो कुर्की (फिनलैंड) और ओलसेन फाइनल में जगह बनाने वाले अन्य निशानेबाज थे।

कोरोना महामारी के बाद बदला खेलों का स्वरुप

नई दिल्ली, (संवाददाता)। कोरोना महामारी के बाद खेलों का स्वरुप ही बदल गया है। पिछले एक साल के अंदर खेल नहीं हो पाये है। अब हुए भी हैं तो खाली स्टेडियमों में उनका आयोजन हो रहा है। खेलों को जैव सुरक्षा घेरे (बायो बबल) में आयोजित किया जा रहा है। दर्शकों के बिना मैचों का आयोजन, अभ्यास के बदल हुए नियमों में खिलाड़ियों को खेलना पड़ रहा है। जैव सुरक्षा घेरा खिलाड़ियों को कई मानसिक परेशानियां भी दे रहा है क्योंकि उन्हें लंबे समय तक अपने घरों से दूर रहना पड़ रहा है। ओलंपिक खेल तक एक साल स्थगित करने पड़े हालांकि अब हालात सामान्य हो रहे हैं। इसी के साथ ही खेल भी पटरी पर लौट रहा है। अब सीमित मात्रा में दर्शकों को प्रवेश भी मिलने लगा है। फुटबॉल, हॉकी और क्रिकेट सहित सभी मुकाबले अब होने लगे हैं। शतरंज और निशानेबाजी जो पहले ऑनलाइन हो रहा था वह भी अब बोर्ड और निशानेबाजी रैंज में होने लगे हैं। क्रिकेट में भी काफी बदलाव आया है। कई बातों में बदलाव आया है। जैसे गेंद पर लार नहीं लगायी जा सकती थी, टॉस के समय दोनों कप्तान आपस में हाथ नहीं मिला सकते थे, श्रृंखला के दौरान खिलाड़ी होटल से बाहर नहीं जा सकते और सबसे अहम है कि मैच खाली स्टेडियमों में खेले जाने लगे पर सभी ने इन हालातों को स्वीकार किया।

जिन खिलाड़ियों ने ओलंपिक का टिकट हासिल कर दिया था उन्होंने चुपचाप इंतजार किया है लेकिन जिनका टिकट अभी तक पक्का नहीं हो पाया उन्हें अपना मनोबल बनाये रखने के लिये भी संघर्ष करना पड़ा। जैसे कि ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल जिन्होंने अभी तक ओलंपिक में अपनी जगह पक्की नहीं की है। वायरस के कारण साइना कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पायी। इसके बाद वह वायरस से संक्रमित हो गयी और फिर जनवरी में ही वापसी कर पायी। अब जुलाई-अगस्त में होने वाले ओलंपिक में जगह बनाने के लिये उन्हें बाकी बचे तीन-चार टूनार्मेंटों में कम से कम क्वार्टर फाइनल में पहुंचना होगा।

मुक्केबाजी में इस महीने के शुरू में स्पेन में एक मुक्केबाज का परीक्षण पॉजीटिव पाये जाने के बाद पूरे भारतीय दल को उसका परिणाम भुगतना पड़ा। खिलाड़ियों के लिये अभ्यास करना भी आसान नहीं रहा। विशेषकर कुश्ती और मुक्केबाजी जैसे खेलों में जिनमें संक्रमण से बचने के लिये अभ्यास के लिये साथी रखने की अनुमति नहीं दी गयी थी। इसका परिणाम यह रहा कि ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके कई खिलाड़ियों को उन देशों में अभ्यास के लिये जाना पड़ा जहां नियमों में थोड़ा ढिलायी दी गयी थी।

इस बीच निशानेबाजों ने दिल्ली विश्व कप से रेंज पर वापसी की। ओलंपिक में भारत को सबसे अधिक उम्मीद निशानेबाजों से ही है। एक साल तक नहीं खेलने के बावजूद भारतीय निशानेबाजों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। इसके अलावा ट्रैक एवं फील्ड के एथलीटों, टेबल टेनिस खिलाड़ियों, टेनिस खिलाड़ियों ने भी सुरक्षित वातावरण के बीच खेलों में वापसी की है।

टीम में हर स्थान के लिए हैं दो से तीन खिलाड़ी : विराट

पुणे, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा है टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा है। विराट ने एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में जीत के बाद टीम की तारीफ करते हुए ये बात कही है। टीम इंडिया की इस जीत को विराट कोहली ने हाल के दिनों में मिली सबसे अच्छी जीत बताया है। टीम की तारीफ करते हुए विराट ने यह भी कहा कि हर स्थान के लिए उसके पास दो से तीन खिलाड़ी हैं। कोहली ने पहले मैच के बाद कहा, हाल के दिनों में यह हमारी सबसे अच्छी जीत है। इतनी जल्दी नौ विकेट लेना बेहतरीन रहा। जिस तरह हमारे गेंदबाजों ने मैच में वापसी कराई वो रोमांचक रहा। मैं इस समय काफी गर्व का अनुभव कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। मैंने पहले भी कहा कि हम उन खिलाड़ियों को मौका देते हैं जो अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकते हैं। शिखर धवन और लोकेश राहुल की पारी बेहतरीन थी। हर मैच में हमारे पास एक पोजिशन के लिए ही दो-तीन खिलाड़ी उपलब्ध रहते हैं। हमारे पास खिलाड़ियों के चयन के लिए एक बड़ा पूल है जो भारतीय क्रिकेट के लिए एक अच्छा संकेत है। साथ ही कहा, अभी हम सही रास्ते पर हैं और हमारे टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं।

आईलीग विजेता का फैसला शनिवार को होगा

कोलकाता, (एजेंसी)। आई-लीग फुटबॉल टूनार्मेंट के विजेता का फैसला शनिवार को होगा। इसमें गोकुलम केरल का सामना टीआरएयू जबकि चर्चिल ब्रदर्स का सामना पंजाब एफसी से होगा। ये दोनों मैच शाम पांच बजे से खेले जाऐंगे। टूनार्मेंट में गोल्डन बूट के लिए भी तीन खिलाड़ियों के बीच मुकाबला है जिसमें टीआरएयू के बिद्यासागर सिंह 11 गोल के साथ तालिका में शीर्ष पर है। चर्चिल ब्रदर्श के लुका मैजसेन और गोकुलम केरल के डेनिस एंटवी 10-10 गोल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है।

जापान में ओलंपिक टॉर्च रिले के लिए तैयार झंडे। यह रिले गुरुवार से शुरू होगी।

सोनम ने साक्षी को हराकर ओलंपिक टिकट हासिल किया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। महिला पहलवान सोनम मलिक ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक को हराकर ओलंपिक टिकट हासिल किया है। (62 किग्रा वर्ग में सोनम ने लगातार चौथी बार साक्षी को हराया है। इस हार के साथ ही साक्षी का टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने का सपना भी टूट गया। सोनम ने साक्षी को 8-7 के करीबी अंतर से हराया। दोनों पहलवानों के बीच कांटे की टक्कर हुई। तीन मिनट के ब्रेक के बाद स्कोर 4-4 से बराबर था पर अंत में सोनम ने साक्षी को पटकनी देकर मुकाबला अपने नाम किया। इससे पहले सोनम ने दो बार राष्ट्रीय ट्रायल और एक बार दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में साक्षी को हराया था। एशिया ओलिंपिक क्वॉलिफाइंग इवेंट और सीनियर एशिया कुश्ती चैंपियनशिप में शामिल होने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण ट्रेनिंग सेंटर (एसटीसी) में हुए चयन ट्रायल्स में पांच महिला पहलवानों का चयन किया गया है। गौरतलब है कि एशिया ओलिंपिक क्वॉलिफाइंग इवेंट और सीनियर एशिया कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन कजाखस्तान में नौ से 18 अप्रैल तक होगा। भारतीय कुश्ती महासंघ की ओर से जारी बयान के अनुसार जिन पहलवानों का चयन किया गया है उनमें सीमा (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), निशा (68 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) शामिल हैं। इस बयान में बताया गया कि एशिया चैंपियनशिप के लिए अन्य चार भार वर्गों के सेलेक्शन ट्रायल 27 मार्च को होंगे।

धवन ने धीमी शुरूआत का कारण बताया

पुणे, (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में धीमी शुरूआत पर कहा कि यह टीम की रणनीति थी। धवन ने कहा कि मैं अपने प्रदर्शन से आज बहुत खुश हूं। इससे अधिक कि हमारी टीम जीती है। मैं अभी अच्छे जिम सेशन के अलावा रनिंग सेशन और नेट सेशन कर रहा हूं। इसी मेहनत का ही यह परिणाम है। हमें पता था कि गेंद स्विंग कर रही है और साथ ही सीम कर रही है, इसलिए कहा गया था कि हमें विकेट पर बने रहना है और शरीर के करीब खेलना है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो बहुत दुखी या बहुत खुश हो। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, जब मैं जब टीम में नहीं खेल रहा था तो मैं सोचता था कि किस तरह अपना योगदान दूं। मैं 12वें सदस्य के तौर पर सभी कुछ कर रहा था। रनिंग, साथियों को पानी देना आदि। मेरे दिमाग में यह स्पष्ट था कि जब मुझे मौका मिलेगा, मैं उस अवसर का लाभ उठाउंगा। पहले एकदिवसीय में धवन की शानदार पारी की भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही हालांकि वह दो रनों से अपना शतक पूरा नहीं कर पाये।

शार्जील को दक्षिण अफ्रीकी दौरे से पहले फिट होने की उम्मीदें

कराची, (एजेंसी)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज शार्जील खान को उम्मीद है कि वह दक्षिण अफ्रीका दौरे तक पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा था कि शार्जील को फिट होने पर ही टीम में शामिल किया जाएगा। पीसीबी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 श्रृंखला से एक दिन पहले नौ अप्रैल तक अपनी फिटनेस साबित करने पर ही उन्हें अंतिम एकादश में शामिल करने पर विचार किया जाएगा।

शार्जील ने कहा कि मैं पिछले छह-सात महीने से घरेलू सत्र में शीर्ष स्तर की क्रिकेट खेल रहा हूं। मैंने लगभग आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले। इसके अलावा घरेलू स्तर और पाक सुपर लीग में लिस्ट ए और टी20 मैच भी खेले हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जब मैच शुरू होंगे तब तक मेरी फिटनेस बेहतर हो जाएगी। मैं फिट हूं, यही वजह है कि मैं पिछले सात महीने से लगातार खेल रहा हूं। मुझे नहीं लगता कि मेरी फिटनेस कोई बड़ा मामला है।

शार्जील को दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे दौरे के लिये पाकिस्तानी टी20 टीम में चुना गया है। इस दौरे के लिए पाक टीम 28 मार्च को जोहानिसबर्ग रवाना होगी। इससे पहले पीसीबी ने कहा कि शार्जील को निजी ट्रेनर दिया गया है और बल्लेबाजी कोच यूनिस खान स्वयं उन पर नजर रखे हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले इस सलामी बल्लेबाज की फिटनेस सुधारने के लिये सभी तरह के प्रयास किये जा रहे हैं।